केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450, 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 177 सोमवार 20 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

तहसीलदार से अभद्रता करने वाला अमीन गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रुधौली क्षेत्र के सीजनल अमीन ने तहसीलदार के साथ अभद्रता की। इस मामले में पुलिस ने गार्ड की तहरीर पर केस दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि सीजनल अमीन को काम नहीं दिया गया, जिससे वह नाराज चल रहा था और नौकरी पर रखने की बात को लेकर तहसीलदार से भिड़ गया। पुलिस को दी तहरीर में तहसीलदार रुधौली के चौंबर की सुरक्षा में तैनात होमगार्ड विजय यादव निवासी अरदा थाना रुधौली ने बताया कि संतोष ओझा चौंबर के बाहर आए और जबरन चैबर में घुसने लगे। मैंने मना किया, लेकिन वे नहीं माने और जबरदस्ती घुस गए। उसके बाद तेज आवाज में तहसीलदार के साथ अभद्र व्यवहार किया। वादी ने जब रोका तो उसके साथ भी गाली–गलौज किया और सरकारी कार्य में बाधा डाला। इस मामले में पुलिस ने संतोष ओझा के खिलाफ अधिकारी के साथ अभद्रता करने व सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में केस दर्ज किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनका शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार कर चालान कर दिया।

हार्ट हास्पिटल का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर के प्रख्यात चिकित्सक एवं आई.एम.ए. अध्यक्ष डा. अनिल कुमार ने स्टेशन रोड पर फिरदौस हॉर्ट हॉस्पिटल का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होने हॉस्पिटल के संस्थापक डा. फिरोज खान को शुभकामनायें देते हुये चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान की अपेक्षा व्यक्त की। कहा बस्ती में हृदयरोग विशेषज्ञों की कमी है, इससे जुड़ी परेशानियां होने पर लोग सीधे लखनऊ चले जाते हैं ऐसे में यह अस्पताल लोगों के लिये वरदान साबित हो सकता है। डा. फिरदौस खान ने बताया कि यहां ई.सी.जी. टी.एम.टी., बायोकेमेस्ट्री टेस्ट सहि सभी प्रकार की जांच व ओपीडी सेवायें उपलब्ध होंगी। उन्होने कहा पूरा प्रयास होगा कि सेवाओं की गुणवत्ता कायम रहे और रोगी सेवाओं से संतुष्ट रहे। उन्होने अंत में सभी आगन्तुकों के प्रति आभार जताते हुये उनसे सहयोग की अपील किया।

इस अवसर पर डा. आरएन चौधरी, डा. विजय गौतम, बभनान के पूर्व चेयरमैन सईद अहमद, सभासद प्रफुल्ल श्रीवास्तव, खालिद अहमद आदि मौजूद रहे।

नकदी, जेवरात की चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र के नकटीदेई रानीवार पुरवे पर चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। जहां पर आलमारी तोड़ कर गहने और रुपये चुरा ले गए। सूचना पर डायल 112 टीम मौके पर पहुंची। प्रभारी निरीक्षक कप्तानगंज उपेंद्र मिश्रा ने बताया कि सूचना मिली है। जांच पड़ताल कराई जा रही है। रानीवार पुरवे से डायल 112 को सूचना मिली कि शाबिया खातून पुत्नी रज्जब अली बच्चे को लेकर शौच करने गई थी। इसी बीच चोर घर में घुस गए। आलमारी में रखा जेवरात और नगदी चुरा ले गए।

सिलेण्डर फटने से लगी महाकुंभ मेले में आग कोई हताहत नहीं: मौके पर पहुंचे मुख्यमंत्री

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ मेला क्षेत्र में शास्त्री ब्रिज के नीचे पंडालों में भीषण आग लग गई थी। यह आग मेले क्षेत्र के सेक्टर 19 में सिलेंडर फटने से लग गई थी। जिसमें 18 टेंट आग में जल गए। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15–16 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आग की घटना के बाद अस्पताल में तैयारी की गई है। गनीमत है कि अभी तक किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटनास्थल का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र का मुआयना करके अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सीएम योगी से बात की है और घटना को लेकर जानकारी ली। आग पर काबू पा लिया गया है।

बताया जा रहा है कि सेक्टर 19 में गीता प्रेस, निर्मल बाबा और हनुमान सेवा समिता का शिविर था। गीता प्रेस वाले शिविर में सबसे पहले अचानक आग लगी। पता चला कि सिलेंडर लीक होने से आग लगी।महाकुंभ के मेला क्षेत्र में रविवार की दोपहर भीषण आग लग गई। तुलसी मार्ग पर स्थित सेक्टर 19 के रेलवे पुल के नीचे गीता प्रेस गोरखपुर के शिविर में लगी आग देखते ही देखते विकराल हो गई। आग लगने के बाद सिलेंडरों के फटने से आग एक से दूसरे शिविर की ओर बढ़ती गई। कुछ मिनटों में ही आग ने दर्जनों टेंटों को खाक कर दिया। यहां रखा गृहस्थी का सामान भी खाक हो गया। जिस दौरान नीचे टेंट में आग लगी पुल के ऊपर से ट्रेन भी गुजर रही थी। आग के बाद मची भगदड़ में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है। छोटा सिलेंडर फटने से आग की बात कही जा रही है।

फिलहाल राहत की बात यही है कि कोई जनहानि नहीं हुई है। डीआईजी वैभव कृष्ण ने कहा कि अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। यह भी कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है। प्रयागराज में ही मौजूद सीएम योगी ने भी आग का संज्ञान लिया और अधिकारियों को तत्काल मौके पर जाने और राहत कार्य में लगने का आदेश दिया। खुद मुख्यमंत्री भी मौके पर पहुंच गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फोन पर सीएम योगी से बात की और आग पर जानकारी ली है।

आग पर काबू पाने से सभी ने राहत की सांस ली है। अब यहां रहने वालों के लिए नए टेंट सिटी का इंतजाम किया जा रहा है।

सौर ऊर्जा केंद्र का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। शहर के सुभाष तिराहा (फौव्वारा तिराहा) पर कृमोलिहा बिल्डिंग में रविवार को कृष्णमोहन लाल श्रीवास्तव और प्रेम चंद्र श्रीवास्तव (सीनियर एडवोकेट) ने फीता काटकर ''सौर ऊर्जा केंद्र'' का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने ''सौर ऊर्जा केंद्र'' के प्रोपराइटर आशीष श्रीवास्तव और इंजी राजेश कुमार श्रीवास्तव के प्रयासों की सराहना करते हुए केंद्र की सफलता की कामना की।

आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि सौर ऊर्जा कभी खत्म न होने वाली शक्ति है और आसानी से उपलब्ध है। सरकार इसकी खरीद पर सब्सिडी भी प्रदान कर रही है। इससे कार्बन का उत्सर्जन नहीं होता और ग्लोबल वार्मिंग का कोई खतरा भी नहीं रहता। उन्होंने आमजनमानस से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत संचालित ''सौर ऊर्जा केंद्र'' से अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

उन्होंने बताया कि यहां पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सभी सेवाएं उपलब्ध हैं। ''सौर ऊर्जा केंद्र'' यूपी नेडा का अधिकृत वेंडर है। आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि यदि किसी का बिजली बिल 3,000 से 3,500 तक आ रहा है, तो वह तीन किलोवाट का सोलर सिस्टम लगाकर अपना बिजली बिल शून्य कर सकता है। ऐसी तमाम जानकारियों के लिए इच्छुक लोग मो. न. 9838678094, 9839260999 पर संपर्क कर सकते हैं।

कायस्थ सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष बने मुकेश श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को चित्रगुप्त मंदिर के समागार में कायस्थ सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव ने मुकेश श्रीवास्तव को वर्ष 2025–26 के लिये अध्यक्ष घोषित किया। अजय कुमार ने बताया कि कायस्थ सेवा ट्रस्ट सेवा के क्षेत्र में निरन्तर सक्रिय है और ट्रस्ट द्वारा असहायों की सेवा, चिकित्सा, पर्यावरण रक्षा के साथ ही गरीब कन्याओं के विवाह में अपना योगदान करता है। समय– समय पर विशेष कार्यक्रम किये जाते हैं।

मुकेश श्रीवास्तव अध्यक्ष घोषित किये जाने के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकूर वर्मा, संरक्षक सुरेन्द्र मोहन वर्मा ने कहा कि कायस्थ सेवा ट्रस्ट का प्रयास सराहनीय है। हमें पूरी ताकत से इस संगठन को आर्थिक और नैतिक रूप से समृद्ध करना होगा। संचालन दुर्गेन्द्र श्रीवास्तव ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उमेश श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, राजेश चित्रगुप्त, दिनेश श्रीवास्तव, प्रदीप चन्द्र श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त करते हुये सहयोग पर जोर दिया। मुख्य रूप से डॉ. सौरभ सिन्हा ,दुर्गेश श्रीवास्तव ,अनिल कुमार श्रीवास्तव ,सर्वेश श्रीवास्तव ,राजेश श्रीवास्तव ,आलोक श्रीवास्तव ,राहुल श्रीवास्तव ,नितेश श्रीवास्तव ,नीरज श्रीवास्तव ,बृजेश श्रीवास्तव ,अरुण श्रीवास्तव ,सचिन श्रीवास्तव ,प्रकाश श्रीवास्तव ,डब्बू श्रीवास्तव ,रवि श्रीवास्तव ,मनमोहन श्रीवास्तव ,अजय श्रीवास्तव ,प्रदीप श्रीवास्तव ,संदीप श्रीवास्तव के साथ ही अनेक संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

अल्ट्राटेक सीमेन्ट कम्पनी पर 6 लाख के पेनाल्टी का आदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला उपभेक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बस्ती के अध्यक्ष अमरजीत वर्मा एवं सदस्य अजय प्रकाश सिंह ने अल्ट्राटेक सीमेन्ट के निर्माता व विक्रेता पर 6,10,110 रूपया पेनाल्टी लगाया है। इसके साथ ही उपभोक्ता को मानसिक, आर्थिक व शारीरिक क्षति हेतु 1,50,000 रूपये व वाद व्यय के रूप में 35,000 रूपये भुगतान देने का आदेश दिया है। अल्ट्राटेक सीमेन्ट के निर्माता व विक्रेता को निर्णय के 30 दिनों के भीतर उक्त भुगतान करना होगा। मामले को आयोग ने गंभीरता से लेत हुये उक्त फैसला सुनाया।

पीड़ित पक्ष की ओर से कृष्ण कुमार उपाध्याय एडवोकेट ने किया। मसही इटिया टोला निवासी संतोष कुमार पाण्डेय, ने आरडीटी इन्टरप्राइजेज की सलाह पर अल्ट्राटेक सीमेन्ट का प्रयोग भवन निर्माण में किया था। किन्तु निर्माण के कुछ ही माह बाद छत में दरारें आ गई जिसकी शिकायत व विक्रेता व निर्माता से किया। उन्होने निराशाजनक जवाब दिया और टालमटोल करते रहे। विवश होकर पीड़ित ने जिला उपभेक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बस्ती में वाद दायर किया। पीड़ित सेतोष कुमार का कहना है कि इंजीनियर के मार्गदर्शन के अनुसार भवन निर्माण करवाया गया था। पर्याप्त सावधानी बरतने के बावजूद छत में 8 दरारें आ गई।

अल्ट्राटेक सीमेन्ट के कस्टमर केयर से बात की गई, आश्वासन दिया गया कि आपकी शिकायत का निष्पक्ष निस्तारण किया जायेगा। किन्तु विक्रेता से लेकर कम्पनी तक सभी जिम्मेदार टालमटोल करते रहे। मामले की सुनवाई करते हुये आयोग ने कहा कि सीमेन्ट की गुणवत्ता खराब होने के कारण उपभोक्ता द्वारा भवन निर्माण में लगाई गई अन्य सामग्री भी नष्ट हो गई, उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा। जांच में सामने आया कि गुणवत्ताविहीन सीमेन्ट के कारण ही छत में दरारें आईं और उपभोक्ता को तरह तरह से परेशान होना पड़ा। छत में दरारें आने के बाद न केवल अन्य सामग्री बरबाद हुई बल्कि भवन भी निष्प्रयोज्य हो गया। आयोग ने अपने निर्णय में यह भी कहा कि क्षतिपूर्ति समय से न देने पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ सम्बन्धित ६ नराशि का भुगतान करना होगा।

नकली यूरिया फ्यूल कारखाना मामला: मुकदमा दर्ज, जांच शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती अयोध्या मार्ग हाईवे किनारे कप्तानगंज थानाक्षेत्र के गढ़हा गौतम ओवर ब्रिज के पास एक मकान के बेसमेंट में चल रही नकली यूरिया फ्यूल फैक्ट्री पकड़ने के मामले में पुलिस ने जिला कृषि अधिकारी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया। कप्तानगंज पुलिस ने यह मुकदमा फैक्ट्री संचालक अरविन्द तिवारी निवासी नथउपुर थाना हर्रैया के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत दर्ज किया। प्रभारी निरीक्षक कप्तानगंज उपेंद्र मिश्रा ने बताया मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कप्तानगंज थानाक्षेत्र के गढ़हा गौतम ओवरब्रिज के पास सर्विस रोड के किनारे एक मकान के पीछे बेसमेंट में महीनों से अवैध रूप से गाड़ियों में प्रयोग करने वाला नकली यूरिया फ्यूल तैयार किया जा रहा था। 14 जनवरी की देर रात्रि मुखबिर की सूचना पर कप्तानगंज पुलिस ने बेसमेंट में छापेमारी किया था। जहां पर भारी मात्रा में उपकरण मिले थे। पुलिस ने इस गोदाम में ताला लगा कर उच्चाधिकारियों को सूचना दिया था।

डीएम के निर्देश पर 16 जनवरी को मजिस्ट्रेट हर्रैया कौशलेंद्र प्रताप सिंह, जिला कृषि अधिकारी डॉ. बाबूराम मौर्य, प्रभारी निरीक्षक कप्तानगंज उपेंद्र मिश्रा की टीम ने छापेमारी की थी। जिला कृषि अधिकारी की टीम ने बरामद उपकरण का मिलान कर रिपोर्ट डीएम को भेजा था। डीएम ने मुकदमा दर्ज कराने की अनुमति दी। इस पर जिला कृषि अधिकारी डॉ. बाबूराम मौर्य कप्तानगंज थाने पहुंचे और तहरीर दी। पुलिस ने उनकी तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है।

121 किसानों ने तोड़ा आमरण अनशन किसानों से बात करेगी मोदी सरकार

खनौरी बॉर्डर (आभा)। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के चिकित्सा सहायता लेने के बाद उनके साथ एकजुटता दिखाने के लिए खनौरी विरोध स्थल पर आमरण अनशन पर बैठे 121 किसानों के एक समूह ने रविवार को अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर दियाहै। डल्लेवाल (70) ने 26 नवंबर को आमरण अनशन पर बैठने के बाद कोई भी चिकित्सा सहायता को लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन किसानों की मांगों पर चर्चा के लिए 14 फरवरी को बातचीत के लिए केंद्र का आमंत्रण मिलने के बाद वह शनिवार को चिकित्सा सहायता लेने पर सहमत हो गए। उनकी तबीयत बिगड़ने और सरकार द्वारा उनकी मांगें नहीं मानने पर 111 किसानों का एक समूह खनौरी के पास हरियाणा की सीमा में 15 जनवरी को डल्लेवाल के आमरण अनशन में शामिल हो गया। इसके बाद 17 जनवरी को हरियाणा के 10 और किसान उनके साथ जुड़ गए। पुलिस उपमहानिरीक्षक मनदीप सिंह सिद्धू और पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नानक सिंह की मौजूदगी में 121 किसानों ने जूस पीकर अपना अनशन समाप्त किया।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रिय रंजन के नेतृत्व में एक उच्च–स्तरीय केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को किसान नेता डल्लेवाल और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें चंडीगढ़ में 14 फरवरी को वार्ता फिर से शुरू करने के लिए आमंत्रित किया।

प्रस्तावित बैठक की घोषणा के बाद डल्लेवाल चिकित्सा सहायता लेने पर सहमत हो गए। इसके बाद डल्लेवाल ने इंट्रावीनस ड्रिप के जरिये चिकित्सा सहायता ली। हालांकि, किसान नेताओं ने कहा कि डल्लेवाल अपना अनिश्चितकालीन अनशन तब तक खत्म नहीं करेंगे, जब तक कि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी नहीं दी जाती।

बांग्लादेशी निकला सैफ अली का हमलावर

मुम्बई (आभा)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हुए हमले मामले में गिरफ्तार मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद को पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। रविवार को गिरफ्तार किया गया शहजाद घटना वाले दिन सुबह सात बजे तक बांद्रा में था और बस स्टॉप पर सोया था। मुंबई पुलिस का दावा है कि शहजाद मूल रूप से बांग्लादेश का रहने वाला है और अवैध रूप से भारत में घुस आया और अपना नाम बदलकर विजय दास रख लिया।

उसे पुलिस ने रविवार रात ठाणे से पकड़ा। पुलिस ने बताया कि वह चोरी के इरादे से 16 जनवरी की सुबह बांद्रा में सतगुरु शरण बिल्डिंग में बॉलीवुड स्टार के घर में घुसा था।

मनवर नदी के तट गुलरिहवा घाट दाह संस्कार स्थली पर चलाया स्वच्छता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को सामाजिक कार्यकर्ता पेड़ वाले बाबा गौहर अली के संयोजन में हर्रैया तहसील क्षेत्र में मनवर नदी के तट गुलरिहवा घाट जहां लोग आकर दाह संस्कार करते हैं स्वच्छता अभियान चलाया गया। गौहर अली ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि लोग गुलरिहवा घाट पर अंतिम संस्कार करने तो आते हैं किन्तु साफ–सफाई का अभाव है। कहा कि दाह संस्कार के बाद स्वच्छता की जरूरत है जिससे नदियों की पवित्रता भी बनी रहे। मनवर इस क्षेत्र की लाइफ लाइन और आस्था का केन्द्र है किन्तु वह उपेक्षा का शिकार है। इसे देखकर स्थानीय नागरिकों के माध्यम से स्वच्छता की पहल की गई। गौहर अली ने कहा कि मनवर नदी की स्वच्छता और घाटों की सफाई के लिये वृहद अभियान चलाये जाने की जरूरत है।

–मनवर की स्वच्छता के लिये सामूहिक प्रयास जरूरी– गौहर अली

ग्राम प्रधान रोशन अली, जितेंद्र कुमार,विजय सिंह, महेश दुबे आदि ने मनवर तट स्थित गुलरिहवा शमशान घाट पर स्वच्छता अभियान में योगदान दिया। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल को सराहा। ज्ञात रहे कि सामाजिक कार्यकर्ता पेड़ वाले बाबा गौहर अली पौधरोपण, उनकी देख रेख के साथ ही स्वच्छता अभियान चलाकर समय–समय पर संदेश देते रहते हैं।

डीसीआरबी की रिपोर्ट ऑन लाइन मंगाये आरटीओ विभाग– महेन्द्र श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आर.टी.ओ. विभाग द्वारा गैर प्रान्तों के वाहनों के एनओसी के लिये आन लाइन विवरण मंगाया जाना चाहिये जिससे पारदर्शिता बनी रहे। यह मांग करते हुये कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने प्रशासन से मांग किया कि डीसीआरबी से एनओसी को ऑन लाइन कराया जाय। मैनुअल विवरण में धोखाधड़ी की आशंका बनी रहती है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि आर.टी.ओ. विभाग में दलालों का एक बड़ा गिरोह सक्रिय है जो कागजों में हेराफेरी कर गैर प्रान्तों के वाहनों की मनमाफिक रिपोर्ट भेजवा देते हैं और अनेक वाहनों और उनके स्वामियों के महत्वपूर्ण तथ्य छिप जाते हैं। यदि डीआरबी की रिपोर्ट ऑन लाइन जाने लगे तो पारदर्शिता बढेगी और दलाल राज एवं भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि आर.टी.ओ. विभाग में 90 प्रतिशत से अधिक कार्य ऑन लाइन हैं और ऐसे में डीसीआरबी और मोटर ट्रेनिंग प्रमाण–पत्र को भी ऑन लाइन कराया जाना जरूरी है।

महापुरूषों को किया नमन्: सम्मान समारोह में किया जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को बुद्ध विहार हर्रैया के सभागार में समाजसेवी अनिल गौतम, कृपाशंकर, शिवगणेश, अश्विनी कुमार, अखिलेश कुमार और अनिल आजाद के संयुक्त पहल पर पूर्व संस्थापक आर.बी. त्रिशरण की स्मृति में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती 14 अप्रैल 2024 के भव्य आयोजन में हिस्सा लेने वालों को सम्मानित कर उत्साहवर्धन कर जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बाल गंगाधर बागी ने कहा कि बाबा साहब से शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो का जो संदेश दिया था उस मार्ग पर चलकर ही लक्ष्य की पूर्ति होगी। विशिष्ट अतिथि शिवराम कन्नौजिया, डा. विनोद कुमार, बनवारीलाल कन्नौजिया, विवेक कुमार, रामलनन गौतम, विश्राम राव, शिव रतन, वी.पी. सक्सेना आदि ने कहा कि बुद्ध विहार हर्रैया का बड़ा योगदान रहा है। आर.बी. त्रिशरण ने विचारों की जो नींव डाली उसे लगातार विकसित किये जाने की जरूरत है। इस मौके पर अतिथियों और उपस्थित लोगों ने महापुरूषों के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से आर.एल. गौतम, छेदीलाल, आर.के. आरतियन, ठाकुर प्रेम नन्दबंशी, बुद्धेश राणा, नन्द कुमार, शेखर, रामबरन, वृजेश कुमार, लवकुश, प्रदीप कुमार, रघुनन्दन आजाद, तुलसीराम, शिवदास, रमेश कुमार, रामशंकर के साथ ही बड़ी संख्या में अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 जनवरी 2025 सोमवार

सम्पादकीय

घरौनी की पहल

सरकार ने ग्रामीण भारत में संपत्तियों को वैध बनाने और उन्हें आर्थिक विकास का आधार बनाने के लिए स्वामित्व योजना के तहत 2.19 करोड़ संपत्ति कार्ड घरौनी बांटने का लक्ष्य रखा है। निश्चित रूप से यह योजना गांवों की तस्वीर बदलकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करेगी। योजना के तहत एक ही दिन में लगभग 65 लाख संपत्ति कार्ड वितरित करना सरकार की प्रतिबद्धता और एक बड़ी उपलब्धि का प्रतीक है। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वामित्व संपत्ति कार्डों के ई–वितरण की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में 10 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 50,000 से अधिक गांवों में स्वामित्व संपत्ति कार्ड वितरित किए जाएंगे।

कहा जा सकता है यह ऐतिहासिक क्षण भारत के ग्रामीण सशक्तिकरण और शासन यात्रा में एक मील का पत्थर होगा। इस योजना के पायलट चरण को महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और पंजाब व राजस्थान के चुनिंदा गांवों में वर्ष 2020–21 के दौरान लागू किया गया था। स्वामित्व योजना का ग्रामीण भारत पर भूमि प्रशासन को मजबूत करने, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और ग्रामीण सामुदायिक विकास को गति देने के माध्यम से परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ा है। इस योजना से गांव के परिवारों, ग्राम पंचायतों, राज्यों और अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को अत्यधिक लाभ मिलेगा।

योजना मार्च 2026 तक पूरी होगी। इसके तहत संपत्तियों का मुद्रीकरण होगा। बैंक से कर्ज लेना आसान होगा। संपत्ति से जुड़े विवाद कम होंगे। साथ ही गांव स्तर पर बेहतर योजना बनाई जा सकेंगी। प्रॉपर्टी कार्ड की मदद से गांव का सटीक लैंड रिकॉर्ड होने के साथ–साथ आर्थिक उपार्जन की संभावना भी बढ़ेगी। योजना का उद्देश्य गांव में कृषि भूमि से अलग आबादी वाले क्षेत्र के लिए राजस्व दस्तावेजों में जमीनों का रिकॉर्ड बनाना है।

इस योजना के तहत प्रॉपर्टी कार्ड बनवाने के लिए किसी आवेदन की जरूरत नहीं होगी। जैसे–जैसे मैपिंग और सर्वे का काम पूरा किया जाएगा, सरकार खुद ही सभी लोगों को उनका प्रॉपर्टी कार्ड देती जाएगी। गांव का सर्वे पूरा होने के बाद प्राप्त डाटा को पंचायती राज्य मंत्रालय के ई ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। फिर भी एक देश के रूप भारत अभी भी एक उचित विश्वसनीय और आसान डेटा संरक्षण कानून बनाने से दूर है और इस तरह के कानून के बिना डेटा का संग्रह और इसका दुरुपयोग हमेशा इस तरह की महत्वाकांक्षी योजना के लिए चुनौती बना रहेगा।

अनुमानित समय के भीतर गांवों को निगरानी में लाने का मुद्दा एक चुनौती है। क्योंकि एक निश्चित बिंदु के बाद गांवों को कवरेज करने की गति को बढ़ाया नहीं जा सकता है। इसके लिए एक समर्पित केंद्र–राज्य सहयोग किया जाए ताकि यह योजना पूरे देश में प्रभावी ढंग से लागू हो सके।

बीच बहस में काम के घंटे

इनफोसिस के नारायणमूर्ति और एल एंड टी के एस.एन सुब्रमण्यम ने अधिक काम करने की सलाह दी है। नारायणमूर्ति ने 70 घंटे और सुब्रमण्यम ने 90 घंटे काम करने की बात की है। गोयनका और दीपिका पादुकोण ने वर्क–लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत बताई है। स्वतंत्र विचार वाले युवाओं की अहमियत पर जोर देना चाहिए।

काम के दिन और घंटों से जुड़ा विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। इनफोसिस के कोफाउंडर एन आर नारायणमूर्ति ने कुछ समय पहले देश के नौजवानों को यह सलाह दी थी कि उन्हें सप्ताह में 70 घंटे काम करना चाहिए। अब एल एंड टी के चेयरमैन एस.एन सुब्रमण्यम ने इस बात पर अपनी बेबसी जाहिर की है कि वह अपने कर्मचारियों से सप्ताह में 90 घंटे काम नहीं करवा पा रहे हैं। उनके मुताबिक कर्मचारियों को रविवार के दिन भी काम में जुटे रहना चाहिए।

देखा जाए तो बिजनेस हेडों और कंपनियों के सीईओ जैसे पदों पर काम कर रहे लोगों में यह सोच पहले से रही है कि कर्मचारियों को अधिक से अधिक काम करने के लिए प्रेरित किया जाए। व्यक्तिगत स्तर पर इस तरह के प्रयासों में कोई बुराई नहीं है, जब तक कि संबंधित कर्मचारियों के सामने इसे स्वीकार करने या न करने की स्वतंत्रता बनी रहती है। दिक्कत तब खड़ी होती है जब वे अपनी इस सोच को पॉलिसी के रूप में दूसरों पर लादने का प्रयास करते हैं या इसे राष्ट्र निर्माण जैसे मकसद की आड़ देते हैं।

ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या सचमुच किसी देश की या किसी कंपनी की भी उन्नति इस बात पर निर्भर करती है कि वहां लोग कितनी देर तक काम करते हैं। क्या काम की मात्रा ही सबकुछ है या काम की क्वॉलिटी पर भी ध्यान देने की जरूरत होती है? और जब बात क्वॉलिटी की हो तो क्या यह संभव है कि जिन कर्मचारियों के जीवन में क्वॉलिटी न हो, उनके काम में क्वॉलिटी बनी रहे?

जीवन में क्वॉलिटी बनाए रखने के लिए ही वर्क–लाइफ बैलेंस को जरूरी माना गया है। यही वजह है कि हर्ष गोयनका जैसे बिजनेस लीडर्स भी इसकी अहमियत को रेखांकित कर रहे हैं और यही वजह है कि दीपिका पादुकोण जैसी सिलेब्रिटीज भी इस बहस के संदर्भ में मेंटल हेल्थ का मुद्दा उठा रही हैं। बात–बात में राष्ट्र का सवाल उठाने वाले बिजनेस बॉसों को समझना चाहिए कि राष्ट्र के विकास के लिए सिर झुकाकर खटते रहने वाले युवाओं से ज्यादा अहमियत स्वतंत्र चेतना वाले युवाओं की है। ऐसे युवाओं की जो वर्कप्लेस पर एम्प्लॉयी के रूप में अपना बेस्ट देने के बाद मनुष्य के रूप में अपने विकास पर ध्यान देते हों और परिवार, आस पड़ोस तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी अच्छे से निर्वाह करते हों।

आठवां वेतन आयोग से जुड़ी उम्मीदें

—अभिनय आकाश—

2025 का साल शुरू हो चुका है। देश की राजधानी दिल्ली में चुनाव भी होने हैं। बजट भी आने वाला है। मतलब साल की शुरुआत में ही राजनीतिक से लेकर आर्थिक गतिविधियां अपने उफान पर रहने वाली हैं। लेकिन तमाम कवायदों के बीच देश के सरकारी कर्मचारियों के लिए 16 जनवरी की तारीख इस साल का सबसे पसंदीदा दिन हो गया है। हो भी क्यों ने मोदी कैबिनेट ने आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी जो दे दी है। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 16 जनवरी को जानकारी देते हुए कहा कि जल्द ही कमीशन के चेयरमैन और दो मेंबर्स की नियुक्ति भी कर दी जाएगी। जिससे सातवें वेतन आयोग का कार्यकाल खत्म होने से पहले नए वेतन आयोग की सिफारिशें मिल जाए। वैसे तो अश्विनी वैष्णव ने इससे ज्यादा डिटेल नहीं दी, लेकिन खुश होने के लिए इतनी खबर भी काफी है। वैसे तो एक दम पक्के तौर पर ये फिलहाल नहीं बताया जा सकता कि आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के बाद आपका वेतन कितना बढ़ेगा लेकिन पिछले वेतव आयोग की सिफारिशों के आधार पर मोटा–माटी अंदाजा तो लगा ही सकते हैं। तो आज का एमआरआई स्कैन वेतन आयोग के नाम करते हैं। जानेंगे कि देश में वेतन आयोग का गठन कब से किया गया। किस आधार पर सैलरी में बढ़ोतरी का सुझाव सुझाया जाता है। आठवां वेतन आयोग कब लागू हो सकता है, और सबसे मेन बात इसके लागू होने से सैलरी और पेंशन में कितना पइसा बढ़ कर आएगा।

छठे वेतन आयोग को जनवरी 2006 में लागू किया गया था। इसमें मामूली बदलाव पेश किए थे, लेकिन फिर भी वेतन और पेंशन में सुधार हुआ। छठे वेतन आयोग के तहत फिटमेंट फैक्टर 1.86 था। इसलिए, 5वें वेतन आयोग में न्यूनतम मूल वेतन 2,750 रुपये से बढ़ाकर 7,000 रुपये कर दिया गया था। पेंशनभोगियों को भी मामूली लाभ हुआ, न्यूनतम मूल पेंशन 1,275 रुपये से बढ़कर 3,500 रुपये प्रति माह हो गई। 7वां वेतन आयोग 1 जनवरी 2016 को लागू हुआ। इसने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए कई बड़े बदलाव पेश किए। सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक फिटमेंट फैक्टर था, जिसे 2.57 पर सेट किया गया था। इसका मतलब यह था कि मूल वेतन को 2.57 से गुणा किया जाएगा, जिससे केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बीच सभी स्तरों पर वेतन में वृद्धि होगी। 7वें वेतन आयोग ने भी न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपये की सिफारिश की है, जो छठे वेतन आयोग के तहत पिछले 7,000 रुपये से अधिक है। इसके अलावा, पेंशन में भी अच्छी वृद्धि देखी गई। पेंशनभोगियों के लिए, छठे वेतन आयोग के तहत न्यूनतम मूल पेंशन 3,500 रुपये से बढ़कर 9,000 रुपये हो गई।

जस्टिस एके माथुर की अध्यक्षता वाले 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2016 को लागू की गई थीं। उस आयोग का 10 वर्षों का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को पूरा हो जाएगा। वैष्णव के मुताबिक, इससे पहले ही नया आयोग बनाने से सिफारिशें जल्दी मिलने और उन पर विचार करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। केंद्र की मंजूरी के बाद आठवें आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू हो सकती हैं।

आयोग वेतन–पेंशन में संशोधन का सुझाव देते समय उचित फिटमेंट फैक्टर तय करेगा। इसमें महंगाई, लेवर मार्केट की स्थिति और सरकारी खजाने के हाल का ध्यान रखा जाएगा। आयोग राज्य सरकारों और सार्वजनिक उपक्रमों से भी विचार–विमर्श करेगा क्योंकि केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन–भत्ते में किसी भी बढ़ोतरी के वाद इन पर भी सैलरी बढ़ाने का दवाव वनता है और आमतौर पर राज्य इसी तर्ज पर बढ़ोतरी करते हैं। आयोग पे–स्केल और दूसरी चीजों में वदलाव का भी सुझाव दे सकता है। 7वें वेतन आयोग ने ग्रेड पे सिस्टम की जगह नया पैमाना पेश किया था। जस्टिस वी एन श्रीकृष्णा की अध्यक्षता वाले छठे वेतन आयोग ने पे बैंड और ग्रेड पे की व्यवस्था का सुझाव दिया था। उसकी सिफारिशों के आधार पर मिनिमम सैलरी 7000 रुपये महीने और अधिकतम मंथली सैलरी 80000 रुपये महीने तय हुई थी। केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता उनकी वेसिक सैलरी के 50: से ज्यादा हो चुका है।

यह आयोग के सामने रखे जाने वाले प्रतिवेदनों और विचार–विमर्श के बाद होने वाले निर्णय पर निर्भर करता है। अभी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ आम बजट से पहले हुई मीटिंग में मजदूर संघों ने 8वां वेतन आयोग वनाने की मांग दोहराई थी 7वें वेतन आयोग के सामने कर्मचारी संघों ने फिटमेंट फैक्टर 3.68 करने की मांग की थी। हालांकि 2.57 की मंजूरी मिली थी। इसके चलते मिनिमम वेसिक सैलरी 7000 रुपये से 2.57 गुना बढ़ाकर 18000 रुपये महीना कर दी गई। हालांकि. अधिकतम वेतन ढाई लाख रुपये तय किया गया, जो कैबिनेट सेक्रेटरी के लिए है। मिनिमम पेंशन 3500 रुपये से बढ़कर 9000 रुपये महीने हो गई थी। अधिकतम पेंशन 1.25 लाख रुपये तय की गई थी।

इसरो की बड़ी छलांग

-रामस्वरूप रावतसरे-

भारत ने वर्ष 2025 की शुरुआत के साथ ही अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। इसरो ने अंतरिक्ष में ही स्पेडेक्स मिशन के दो सैटेलाइट मॉड्यूल आपस में जोड़ लिए हैं। इस मिशन में 'डॉकिंग' की प्रक्रिया पूरी हो गई है। यह क्षमता हासिल करने वाला भारत विश्व का चौथा देश बन गया है। इस मिशन के लिए 30 दिसम्बर, 2024 को सैटेलाइट छोड़े गए थे और बाद में धीमे–धीमे इन सैटेलाइट को पास में लाकर जोड़ दिया गया। इसरो अब इसी मिशन के बाकी लक्ष्य पूरा करने के लिए कदम बढ़ाएगा।

इसरो ने 16 जनवरी, 2025 को यह जानकारी देते हुए अपने ट्विटर पर लिखा, "स्पेस क्राफ्ट डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई। यह एक ऐतिहासिक क्षण था। पहले 15 मीटर से 3 मीटर होल्ड पॉइंट तक पास लाया गया। डॉकिंग की शुरुआत सटीकता के साथ हुई, इसके बाद अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक कैप्चर किया गया. डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई। भारत अंतरिक्ष डॉकिंग को सफल बनाने वाला चौथा देश बन गया। पूरी टीम को बधाई! भारत को बधाई!"

इसरो की इस सफलता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बधाई दी है। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, "सैटेलाइट की अंतरिक्ष डॉकिंग में सफलता के लिए सफल प्रदर्शन के लिए इसरो के हमारे वैज्ञानिकों और पूरे समुदाय को बधाई। यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।"

इस मिशन की सफलता भारत को अंतरिक्ष में स्पेस स्टेशन बनाने, अपने अंतरिक्ष यात्री को भेजने और बाकी स्पेस मिशन पूरे करने में मदद करेगी। इसरो ने जो प्रक्रिया पूरी की है उसे डॉकिंग कहा जाता है। डॉकिंग से पहले दोनों सैटेलाइट मॉड्यूल अलग थे।

इसरो द्वारा लॉन्च किए गए मिशन में से एसडीएक्स–01 चेसर सैटेलाइट है जबकि एसडीएक्स –02 टार्गेट सैटेलाइट है। इसका मतलब है कि एसडीएक्स –01 कक्षा में स्थापित किए जाने के बाद एसडीएक्स –02 की तरफ बढ़ा और अंत में दोनों जुड़ गए। पीएसएलवी सी –60 रॉकेट ने इन्हें आपस में लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर छोड़ा था। इसके बाद इन्हें जोड़ने की प्रक्रिया चालू की गई। दोनों सैटेलाइट को जोड़ने की प्रक्रिया यानि डॉकिंग 7 जनवरी, 2025 को चालू की गई। इसके लिए सबसे पहले दोनों को 20 किलोमीटर की दूरी पर रोका गया था। इसके बाद टार्गेट सैटेलाइट एसडीएक्स–01 को स्टार्ट किया गया। 10 जनवरी, 2025 को यह दोनों 1.5 किलोमीटर पास लाए गए। 11 जनवरी को 225 मीटर पर लाए गए। 12 जनवरी को यह 100 मीटर पर आए। इस बाद इसरो ने इन्हें 15 मीटर और फिर 3 मीटर करीब लाया। दोनों को फिर वापस 15 मीटर पर ले जाया गया। इसके बाद 16 जनवरी, 2025 की सुबह दोनों मॉड्यूल आपस में जोड़ दिए गए। अब इन पर आगे और भी प्रयोग भी किए जाएँगे।

अब तक विश्व के तीन देश ही यह डॉकिंग की तकनीक हासिल कर सके थे। यह देश अमेरिका, रूस और चीन हैं। 16 जनवरी, 2025 को भारत भी इस लीग में शामिल हो गया है। इस तकनीकी तरक्की का फायदा इसरो को आगे के मिशन में मिलेगा। भारत ने अंतरिक्ष में अपना भी स्पेस स्टेशन बनाने का ऐलान किया है। डॉकिंग में सफलता इसके रास्ते खोलेगी। भारत को 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाना है, इसके लिए 2028 से काम चालू होगा ऐसा बताया जा रहा है। इसके लिए एक–एक कर इसके हिस्से अंतरिक्ष पहुँचाए जाते रहेंगे।

अब सारे प्रयोग पूरे होने के बाद दोनों सैटेलाइट को अनडॉक यानी एक–दूसरे से अलग भी किया जाएगा। यह दोनों इसके बाद लगभग 2 साल तक अलग–अलग प्रयोग में काम आएँगे। एसडीएक्स – 01 सैटेलाइट पर छोटे कैमरे भी लगे हुए हैं। यह कैमरे इसके बाद तस्वीरें और वीडियो लेंगे। इसके अलावा भी इस पर कई सेंसर लगे हैं। यह सेंसर अंतरिक्ष में होने वाली गतिविधियों का पता लगाएँगे। इनमें से एक सेंसर रेडियेशन का स्तर भी मापेगा। इन सैटेलाइट को भारत में स्थित सैटेलाइट नियंत्रण सेंटर से नियंत्रित किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार इसरो ने सोमवार को रात 10 बजे श्रीहरिकोटा में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी सी–60 रॉकेट लॉन्च किया था। इस रॉकेट पर कुल 24 सैटेलाइट लदे हुए थे। इनमें से सबसे प्रमुख दो सैटेलाइट थे, जिनकी डॉकिंग होनी थी। इसरो ने इन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक अब अंतरिक्ष में ही जोड़ लिया।

इनका नाम एसडीएक्स –01 और एसडीएक्स –02 था। इन दोनों का वजन 220 किलो है। यह दोनों सैटेलाइट अंतरिक्ष में पृथ्वी से 470 किलोमीटर की ऊँचाई और 55 अंश के कोण पर छोड़े गए थे। डॉकिंग को सरल भाषा में समझा जाए, तो यह दो सैटेलाइट (मॉड्यूल) को अंतरिक्ष में जोड़ने की प्रक्रिया को कहते हैं। यह कुछ–कुछ जमीन पर कोई पुल बनाने जैसा है। जिस तरह पुल के अलग–अलग हिस्से आपस में जोड़े जाते हैं, उसी तरह डॉकिंग में भी दो या उससे अधिक सैटेलाइट आपस में जोड़े जाते हैं। यह पूरी सरंचना किसी विशेष काम के लिए उपयोग होती है।

डॉकिंग का उपयोग वर्तमान में दो सैटेलाइट के बीच किन्हीं वस्तुओं के आदान प्रदान समेत बाकी काम के लिए होता है। अंतरिक्ष में स्थापित अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन भी इसी सिद्धांत पर काम करता है। इसका निर्माण भी डॉकिंग के जरिए हुआ था। इसमें सामान की आपूर्ति भी डॉकिंग के जरिए ही होती है। दरअसल, कई ऐसे सैटेलाइट या फिर मॉड्यूल होते हैं, जिन्हें एक बार में रॉकेट नहीं ले जा सकते। ऐसे में उन्हें अलग–अलग हिस्से में भेज कर अंतरिक्ष में जोड़ा जाता है। इसी तकनीक इसरो ने इस स्पेडेक्स मिशन(स्पेस डॉकिंग एक्सपरसाइज) के जरिए हासिल किया है।

जानकारी के अनुसार अब तक विश्व के तीन देश ही यह डॉकिंग की तकनीक हासिल कर सके थे। यह देश अमेरिका, रूस और चीन हैं। 16 जनवरी, 2025 को भारत भी इस लीग में शामिल हो गया है। इस तकनीकी तरक्की का फायदा इसरो को आगे के मिशन में मिलेगा। भारत ने अंतरिक्ष में अपना भी स्पेस स्टेशन बनाने का ऐलान किया है। डॉकिंग में सफलता इसके रास्ते खोलेगी। भारत को 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाना है, इसके लिए 2028 से काम चालू होगा ऐसा बताया जा रहा है। इसके लिए एक–एक कर इसके हिस्से अंतरिक्ष पहुँचाए जाते रहेंगे। इसके पूरे होने पर इसमें भारतीय एस्ट्रोनॉट जा सकेंगे। इसके अलावा यह प्रक्रिया चंद्रमा पर भारतीय भेजने, वहाँ से सैंपल वापस लाने समेत बाकी मिशन के लिए मील का पत्थर होगी। ऐसा इसरों के वैज्ञानिकों ने दावा किया है।

जिज्ञासा के साथ श्रद्धा का स्थल किन्नर अखाड़ा

—शिवाशंकर पाण्डेय—

तीर्थराज प्रयाग महाकुंभ में करोड़ों तीर्थयात्री, लाखों कल्पवासी मोक्ष की लालसा में आए हैं। महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, धर्माचार्य, तमाम अखाड़ों से लेकर लाखों कल्पवासियों के बीच मेला क्षेत्र के सेक्टर–16 संगम लोअर मार्ग पर मौजूद किन्नर अखाड़ा लोगों की दिलचस्पी और जिज्ञासा का विषय बना है। रोजाना हजारों श्रद्धालु यहां आकर आशीर्वाद लेकर खुद को कृतार्थ महसूस कर रहे हैं। संयोग देखिए, पैदा होने पर समाज ने दुकराया, मुख्यधारा से अलग रखा गया। उसी किन्नर अखाड़ा में जुटे सैकड़ों–हजारों महिला –पुरुष साष्टांग दंडवत करके उन्हें न सिर्फ पूज रहे हैं बल्कि उनका आशीर्वाद लेकर खुद को कृतार्थ महसूस कर रहे हैं। किन्नर अखाड़ा उज्जैन पीठ के महामंडलेश्वर पवित्रानंद गिरि बताते हैं कि शिव पुराण में अर्ध नारीश्वर का जिक्र मिलता है । हमारे आराध्य देव शिव होते हैं। अखाड़ों पर शोध कर रहे पीयूष आनंद बताते हैं कि महाकुंभ मेला में किन्नर अखाड़ा के प्रति लोगों का आकर्षण देखा जा रहा है।

बीते कुछ सालों से अस्तित्व में आये किन्नर अखाड़े के प्रति श्रद्धालुओं का आकर्षण स्वाभाविक है। इस अखाड़े में जुटे हजारों महिला–पुरुष साष्टांग दंडवत कर उन्हें न सिर्फ पूज रहे हैं बल्कि आशीर्वाद भी ले रहे हैं। सनातन धर्म में किन्नरों को भगवान शिव–उपासक और आशीर्वाद दाता के रूप में देखा जाता है।

बीते कुछ सालों में ही किन्नर अखाड़ा की स्थापना की गई। तेरह अखाड़ों में एक प्रमुख अखाड़े के रूप में किन्नर अखाड़ा महज सात–आठ साल के भीतर अपनी खास पहचान बना चुका है। वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार बताते हैं दृ किन्नर अखाड़ा स्थापित करने की बात आई तो शुरुआती दिनों में इसका विरोध हुआ। सुप्रीम कोर्ट में वाद दाखिल कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि थर्ड जेंडर के रूप में जब सारे अधिकार हासिल हैं तो इनको पूजा पद्धति से कैसे रोका जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद बाकायदा किन्नर अखाड़ा की स्थापना हुई। इस अखाड़े के संस्थापक मुखिया और आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने देश के अलावा विदेश तक से बड़ी संख्या में लोगों को जोड़ने में खासी मशक्कत की।

हिंदू धर्म छोड़कर पूर्व में इस्लाम अपनाने वाले कई दर्जन लोगों को किन्नर अखाड़ा ने घर वापसी कराई है। हिंदू सनातन धर्म में किन्नरों को भगवान शिव का उपासक और आशीर्वाद देने वाले के रूप में देखा जाता है। किन्नर अखाड़ा ने देश–विदेश, अलग–अलग क्षेत्रों में अब तक कई मंडलेश्वर और महामंडलेश्वर बनाए। आगे भी विस्तार की योजना है। महामंडलेश्वर आचार्य डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी का कहना है कि ट्रांसजेंडर राइट्स को लेकर किन्नर अखाड़ा कई महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। एक समय था, जब समाज में किन्नरों को हीन दृष्टि से देखा जाता था लेकिन अब काफी सकारात्मक बदलाव हुआ है। पहले उपेक्षात्मक रवैया था लेकिन अब काफी बदलाव हुआ है। बैंकॉक, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, सेन फ्रांसिस्को, अमेरिका, हॉलैंड, फ्रांस और रूस सहित दुनिया के कई देशों के ट्रांसजेंडरों को इस अखाड़े में शामिल करने का लक्ष्य है।

खुद की कोई संतान तो नहीं हुई पर हजारों लोगों की मां, अम्मा, मइया और माई की भूमिका निभा रहीं किन्नर अखाड़ा प्रमुख डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी खुद को गौरवान्वित महसूस करती हैं। हजारों किन्नरों के मां, अम्मा, माई और मइया जैसे संबोधन और अपनत्व खुद में रोमांच पैदा करता है।

चुनावी वायदों पर कितना भरोसा

—मनोज कुमार—

इस समय देश के कई राज्यों की सरकार अंगद के पैर तरह जम गई हैं। एक लंबे समय तक सत्ता में रहने से निरंकुशता आ जाती है, जो दिख रही है। भ्रष्टाचार की परते लगातार खुलती रही है लेकिन इस समय जिस व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार सामने आ रहा है, वह स्तब्ध कर देने वाला है। यह बीमारी किसी एक राज्य या किसी एक व्यक्ति तक नहीं है बल्कि सब शामिल हैं इसमें। कौन कितना किया या कर पाया, व्यक्ति की नैतिकता पर भी निर्भर करता है। नैतिकता की बात भी बेमानी हो गई है। एक शब्द राजनैतिक हुआ था जो आज राजनीति हो गया है। दोनों को गौर से देखेंगे तो राज के साथ नैतिक शब्द था, वह विलोपित हो गया और इसके स्थान पर नीति चलन में आ गया है। कहावत है युद्ध और प्रेम में सब जायज है और जब राज अर्थात सत्ता की बात करते हैं तब नीति, कुनीति को जायज मान लिया गया है। जब सत्ता सिर चढ़ कर बोलता है, तब स्वाभाविक रूप से सब जायज हो जाता है। बहरहाल, देश में वन इलेक्शन, वन नेशन की तैयारी है, तब इस बात पर भी मंथन किया जाना चाहिए कि संविधान के अनुरूप सरकार पांच वर्ष के लिए निर्वाचित होती थी। किन्तु मुफ्त योजनाओं ने सारे पैमाने ध्वस्त करते हुए अंगद के पांव की तरह जमे हुए। ऐसे में भ्रष्टचार की गंगा बह रही है।

एक दौर था जब मतदाता पाँच साल होते ही सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया करते थे, आज वही मतदाता बीस बीस साल के लिए सरकारों की ताजपोशी कर रही है। मतदाताओं को भी जीवन की बुनियादी सुविधाओं से ज़्यादा मुफ्त का आनंद चाहिए। सत्ता को यह रास्ता आसान लगा और उसके बाद सत्ता ने मुफ्त की बंटाई शुरू कर दी। जहां तक याद पड़ता है कि मुफ्त चावल बांटने की शुरुवात दक्षिण से हुई थी। छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को चाउर वाले बाबा के नाम से प्रसिद्धि मिली। फिर मध्य प्रदेश में तत्कालीन शिवराज सिंह सरकार ने मुफ्त की ऐसी मोहक योजनाओं का श्रीगणेश किया कि उनकी विजय सुनिश्चित होती थी। शिवराज सिंह सरकार के इन योजनाओं को अनेक राज्यों ने जस का तस लागू कर दिया। शिवराज सरकार ने जब लाडली बेटी या किसान कल्याण की योजना शुरु तो उसका स्वागत किया गया। यह जरुरी था। बच्चियों को शिक्षा से वंचित रखा जाता था जो उनके लिए शिक्षा के नए द्वार खोलता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार बेटियों को स्कूल नहीं भेजा करते थे, अब वह बच्चियां अपने पैरों पर खड़ी हो रहीं हैं।

फसल देखने गए किसान को बाघ ने जिंदा चबाया, चादर में लपेटकर आधा–अधूरा शव लाए परिजन

संवाददाता–बहराइच। जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में सुजौली थाना क्षेत्र के रमपुरवा वनकटी निवासी किसान को शनिवार की रात बाघ ने अपना निवाला बना लिया। किसान खेत में लगी फसल की रखवाली करने गए थे। सुबह उनका क्षत विक्षत शव खेत में पड़ा मिला। शव मिलने से पूरे गांव में दहशत फैल गई है। सूचना पर पहुंची सुजौली पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। सूचना के घंटों बीतने के बाद भी वन कर्मी मौके पर नहीं पहुंचे, इससे ग्रामीणों में भरी आक्रोश है।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सुजौली वन रेंज के रमपुरवा बनकटी निवासी शिवधर चौहान (65) शनिवार की रात घर से खा पी के फसल की रखवाली करने खेत गए थे। जहां उन पर बाघ ने हमला कर मौत के घाट उतार दिया। सुबह वृद्ध के घर न पहुंचने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। खेत पहुंचने पर उनका क्षत विक्षत शव पड़ा मिला। शव देख परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं बाघ के हमले की सूचना से पूरे गांव में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग और पुलिस को दी। सूचना पर सुजौली थाना प्रभारी हरीश सिंह टीम के साथ गांव पहुंचे और जांच पड़ताल की। लेकिन वन टीम मौके पर नहीं पहुंची। जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश रहा।

शिवधर का शव जंगल के किनारे से बरामद किया गया। शव के टुकड़े दूर– दूर तक पडे मिले। शरीर के टुकड़ों को देख सभी सहम गए। परिजनों ने शव के टुकड़ों को ढूंढ ढूंढ कर चादर में इकट्ठा किया और गांव लेकर आए।

शिवधर की मौत के बाद से पूरे गांव में डर और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने पिंजरा लगाकर बाघ को पकड़ने की मांग की है।

दोपहर बाद दिखा सूरज, बर्फीली हवाओं से ठिठुरन बरकरार

संवाददाता–श्रावस्ती। रविवार का दिन काफी ठंडा मौसम रहा। देर शाम शुरू हुआ घने कोहरे का प्रकोप दोपहर तक जारी रहा। दोपहर बाद निकली धूप ने कुछ राहत दिलाया। इस बीच लगातार चल रही बर्फीली हवाओं के कारण ठिठुरन बरकरार रही। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में लोग पूरे दिन अलाव का सहारा लेने को विवश रहे। इसके बावजूद तहसील प्रशासन की ओर से कई प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था नहीं कराई गई। इससे लोग ठंड से बेहाल दिखे।

जिले में मौसम का मिजाज ठंडा बना हुआ है। शनिवार को खिली धूप के कारण लोगों को राहत मिली थी, लेकिन देर शाम शुरू हुआ घने कोहरे का दौर रविवार दोपहर तक जारी रहा। इससे रात में वाहनों की रफ्तार काफी धीमी रही। दोपहर तक छाए कोहरे व तेज रफ्तार से चली पश्चिमोत्तर बर्फीली हवाओं के कारण ठिठुरन काफी बढ़ गई।

इससे कोहरा दोपहर तक फुहार बन कर बरसता रहा। इससे जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया। दोपहर बाद निकली धूप भी धुंध के कारण लोगों को कोई खास राहत नहीं दिला पाई। तेज बर्फीली हवाओं के कारण लोगों को कंपकंपाती ठंड से जूझना पड़ा। इसके बावजूद गिलौला कस्बा, तिलकपुर मोड़, लेंगडी गूलर, भंगहा मोड़, बरदेहरा मोड़, तुलसीपुर, मोहनीपुर सहित प्रमुख कस्बों व बाजारों में अलाव की व्यवस्था न होने से लोग ठंड से बेहाल रहे।

घने कोहरे में पेड़ से टकराई कार, 3 युवकों की मौत

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के बहुआर मार्ग पर घने जंगलों के बीच स्थित वन देवी माता मंदिर के पास शनिवार रात करीब 11 बजे घने कोहरे के चलते एक कार पेड़ से टकरा गई। कार सवार तीन युवक गंभीर रुप से घायल होकर अचेत हो गए। इसी बीच रास्ते से गुजर रहे एक पुलिस कर्मी ने हादसे की सूचना थाने पर दी। उसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम एंबुलेंस की मदद से कार सवार तीनों घायल युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने तीनों घायल युवकों को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, रात में हुए हादसा घने कोहरे में कार की रफ्तार अधिक होने के कारण हुई है। शनिवार को थाना क्षेत्र के बजहा उर्फ अहिरौली गांव के राजी टोला निवासी राजेश (23) के घर मामा और मौसा के लड़के शोभित उर्फ कलुआ (30) निवासी कोटवा बाजार थाना नेबुआ नौरंगिया और देवानंद उर्फ लकडू (23) निवासी भुजौली बाजार थाना खड्डा जिला कुशीनगर आए थे। तीन युवक देर शाम को एक कार में सवार होकर निचलौल के लिए निकले थे। जहां से तीनों युवक रात करीब 11 बजे फिर कार सवार होकर घर के लिए लौट रहे थे। अभी वह लोग बहुआर सड़क पर निचलौल वन रेंज के घने जंगलों के बीच स्थित वन देवी माता मंदिर के पास पहुंचे थे। इसी बीच कार सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। जिस

दौरान कार सवार तीनों युवक राजेश, शोभित उर्फ कलुआ और देवानंद उर्फ लकडू की मौत हो गई। हादसे के बाद तीनों युवकों के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। क्षेत्राधिकारी निचलौल अनुज कुमार सिंह ने बताया कि हादसे के बाद तत्काल मौके पर पहुंच कार सवार तीनों युवकों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टरों ने तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। उसके बाद तीनों युवकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

बलरामपुर में 24 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर लगा आरोग्य मेला

संवाददाता–बलरामपुर। छट्ठी के दिन ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए रविवार को 24 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जोकहिया में दोपहर 12 बजे तक 35 मरीजों का उपचार किया जा चुका था। चिकित्साधिकारी डॉ. मोहसिन अली सिद्दीकी ने ठंड के मौसम में मरीजों को सेहत पर विशेष ध्यान देने की बात कही। कहा कि सर्दी में बाहर निकलते समय कान व सिर को ढक कर रखें। बुखार, सर्दी व जुकाम होने पर तुरंत चिकित्सक को दिखाएं। महिला चिकित्सक डॉ. नमिता ने मेले में आने वाली गर्भवती के सेहत की जांच की। गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानी के बारे में बताया।

प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. जावेद अख्तर ने बताया कि मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में आने वाले मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित किया गया है। गर्भवती को संस्थागत प्रसव कराने के लिए का सुझाव दिया गया है।

पूरी क्षमता से नहीं चलती मुख्य नहर, माइनरों में नहीं पहुंच रहा पानी

संवाददाता–बलरामपुर। करोड़ों की लागत से बनाई गई राप्ती नहर परियोजना का लाभ अधिकांश किसानों को नहीं मिल रहा है। कुछ माइनर ऐसे हैं जिसमें पानी ही नहीं छोड़ा जा रहा है। ऐसे भी माइनर हैं जिनमें रैट होल के चलते पानी छोड़े जाते ही वह कट जाती हैं और फसलें जलमग्न हो जाती हैं। सिंचाई योजना का लाभ केवल नहर किनारे खेतों को ही मिल पाता है। लगभग 65 किमी लम्बी राप्ती नहर योजना के लाभ से हजारों किसान वंचित हैं। इसका मुख्य कारण नहर की पूरी क्षमता के साथ न चलना भी है। वहीं मुख्य नहर से निकली माइनर की ऊंचाई अधिक होने के कारण टेल तक पानी नहीं पहुंच पाता है। जिस कारण माइनर किनारे लगी फसलों को सिंचाई का लाभ नहीं मिल पा रहा है। राप्ती मुख्य लक्ष्मनपुर बैराज श्रावस्ती निकली है, जो कि बस्ती के रोहड़ी नदी में 125 किमी दूरी तय करके मिलती है। बलरामपुर में मुख्य नहर की लम्बाई लगभग 60 किमी है। हरैया सतघरवा क्षेत्र को असिंचित माना जाता है। यहां पहाड़ की जड़ें जमीन में फैली हैं, जिससे सिंचाई के निजी साधनों को लगवाना मुश्किल काम होता है। क्षेत्र में राजकीय नलकूप भी नहीं हैं। नहर के बनने पर लोगों को उम्मीद जगी थी कि अब उनकी फसलें प्राकृतिक वर्षा पर निर्भर नहीं रहेंगी। लेकिन कुछ ही दिन में किसानों का मिथक टूट गया। वर्ष 2022 में नहर का संचालन शुरू किया गया तो तमाम प्रकार की दिक्कतें सामने आने लगीं। सिंचाई योजना का लाभ केवल नहर किनारे के किसानों को मिल रहा है। किसानों की मानें तो मुख्य नहर से निकली माइनर में पानी का संचालन नहीं हो पा रहा है। इसका प्रमुख कारण है कि विभाग की ओर से पूरी क्षमता में नहर का संचालन नहीं कराया जाता। जिससे नहर गूल में पानी नही आ पाता। वहीं माइनर की ऊंचाई मुख्य में संचालित पानी के लेवल से ऊपर है। यदि पूरी क्षमता से पानी चलाया जाए तो माइनरों में पानी आने से इसका लाभ किसानों को मिल सकता है। कई माइनर तो ऐसे हैं जिनका टेल ऊंचा होने के कारण माइनर में आधी दूरी तक ही पानी आ पाता है। किसानों का आरोप है कि मानक विहीन नहर की खोदाई के कारण सिंचाई का लाभ फसलों को नहीं मिल पा रहा है। वहीं विभाग की ओर से राप्ती मुख्य नहर में प्रेशर बेल का निर्माण कराया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि नहर संचालन के दौरान किसान पाइप के माध्यम से अपनी फसलों की सिंचाई कर सकें। किसानों का कहना है कि सिर्फ बरसात के दौरान ही प्रेशर बेल तक पानी पहुंचता है। बाकी दिनों में पूरी क्षमता के साथ नहर न चलने के कारण प्रेशर बेल तक पानी पहुंच ही नहीं पाता।

कोर्ट के स्टे के बाद भी किया कब्जा, मुकड़मर दर्ज

संवाददाता–गोण्डा। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पूरेडाहू निवासी इन्द्रदेव मिश्रा पुत्र रामरंग मिश्रा ने थाने पर तहरीर दी है। इसके मुताबिक न्यायालय के स्थगन आदेश के बावजूद विपक्षी दुर्गा शंकर, मंजू, कृष्ण कुमार पाण्डेय व रावेंद्र उर्फ नान्हू पाण्डेय ने विवादित जमीन नींव व छप्पर डाल कर ईंट लकड़ी आदि सामान रखकर कब्जा कर लिया है। आनाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि वादी के तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

नारायणपुर कला में समरसता भोज का आयोजन

संवाददाता–गोण्डा। रविवार को कैसरगंज सांसद प्रतिनिधि सुनील सिंह की ओर से नरायनपुर कला में समरसता भोज का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोगों ने हिस्सा लिया। जिला पंचायत सदस्य सुनील सिंह ने कहा कि सभी महत्वपूर्ण जगहों पर माह में एक बार सहभोज होना चाहिए।

अलाव ताप रहे लोगों पर चढ़ी अनियंत्रित बाइक, छह गंभीर रूप से घायल, दो बच्चियां झुलसी

संवाददाता–कुशीनगर। रामकोला थाना क्षेत्र के जुम्मन बरवा गांव में शनिवार की रात करीब 7:30 बजे सड़क के किनारे अलाव ताप रहे लोगों के ऊपर एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने बाइक चढ़ा दी। इस घटना में छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में दो बच्चियां भी अलाव की चपेट में आ गईं जिससे कि उनका पैर झुलस गया सभी घायलों को रामकोला सीएसपी पर पहुंचाया गया, जहां हालत गंभीर देखकर डॉक्टर ने सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

जानकारी के मुताबिक शनिवार की रात रामकोला थाना क्षेत्र के जुम्मन बरवा गांव में घर के सामने अलाव ताप रहे थे जिनमें राजदेव, सवारी देवी, जानकी 12 वर्ष, सोनम 10 वर्ष, योगेंद्र पटेल थे। उसी दौरान

खैरटवा गांव का रहने वाला विशाल बाइक से आ रहा था, अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित हो कर अलाव ताप रहे लोगों पर चढ़ गई।इस घटना में वहां बैठे सभी घायल हो गए। वहीं बैठी दो बच्चियां आग की चपेट में आ गईं, जिससे उनका पैर झुलस गया। घायलों को आनन–फानन में रामकोला सीएसपी पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

राम कथा के रसिया हनुमान जी महाराज अतुलित बल धाम हैं –राधेश्याम शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।गोस्वामीजी ने "अतुलितबल धामा,अतुलित अतिथि राम लघु भाई,चला इन्द्रजित अतुलित जोधा,आदि मंत्र–पंक्तियों से क्रमशः श्रीहनुमान जी,श्री भरतजी व मेघनाद आदि को अतुलित कहा,तो इनमें भी अतुलित–सर्वोच्च कौन है? भगवान श्रीराम के बद्ध–परिकर–समूह में श्रीहनुमान,श्रीभरत,श्री लक्ष्मण,सुग्रीव,जामवंत,अंगद सभी अतुल्य हैं,उनकी तुलना तो सोचना भी अनौचित्यपूर्ण है,करना तो नितान्त अदूरदर्शिता का पर्याय होगा,पर मेरी अल्पमति में श्रीहनुमानजी ही, जिनके गुणों का भगवान श्रीराम ने अपने श्रीमुख से बखान किया,जैसा कि गोस्वामीजी ने वंदना के प्रसंगों में उपरोक्त शीर्षक–मंत्र–पंक्ति में वर्णित किया है, समग्रता में अतुलित–सकल –गुण –निधान–सर्वोत्कृष्ट हैं,इसीलिये उन्हें 'महाबीर'की संज्ञा दी गयी है। उपरोक्त व्याख्या श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा अंगद टीला पर द्वारा प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी के बाद चल रही श्री राम कथा में आचार्य राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने बताइए उन्होंने बताया कि वीरता के अनेक मापदंड हैं,किन्तु उन समस्त मानदंडों पर यदि कोई एक व्यक्ति खरा उतरता है,तो वे एकमात्र हनुमानजी ही हैं। उन्होंने बताया कि हनुमान जी महाराजके वाह्य शारीरिक वीरता का सम्बन्ध है,श्रीहनुमान सर्वथा अतुलनीय योद्धा हैं वे अकेले ही लंका के सभी राक्षसों का संहार करने की क्षमता रखते हैं, जैसा कि हनुमान जी महाराज के बारे में समुद्र तट पर जामवंत जी ने उनके बाल के बारे में वर्णन किया है। हनुमान जी रावण का भी वध कर सकते थे लेकिन राम जी को रावण का वध करना था इसलिए उन्होंने उसे छोड़ दिया। श्री महाराज जी ने बताया कि हनुमान जी महाराज सर्व समर्थ है, लेकिन एकदम सरल है राम भक्ति में हमेशा लीन रहते हैं और जब राम भक्तों पर कोई प्रहार होता है तो हनुमान जी चुप नहीं बैठते हैं यही कारण है कि हनुमान जी महाराज अतुलित बल धाम है। भक्तों में सर्वश्रेष्ठ भक्त है, और जब कोई राम भक्तों का अपमान करता है तब हनुमान जी उसे माफ नहीं करते हैं। हनुमान जी महाराज के बारे में राम जी ने सबको बताया विभीषण जी से हनुमान जी महाराज का वर्णन कर किया क्योंकि हनुमान जी महाराज भक्त शिरोमणि हैं और हमेशा राम–राम ही कहते हैं तो जब जीव केवल नाम जप में अपना जीवन लगा देगा या पूरी निष्ठा के साथ नाम जप करेगा तो उसे हनुमान जी जैसी भक्ति प्रदान होगी और निश्चित रूप से प्रभु श्री राम के सबसे निकट चला जाएगा। कथा के समापन पर आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया।

कार और ई रिक्शा में भिड़ंत, चार घायल, दो की हालत गंभीर

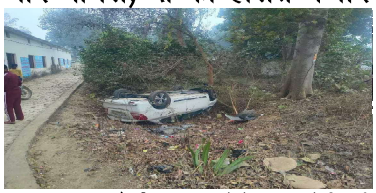

संवाददाता–देवरिया। सलेमपुर–देवरिया मार्ग पर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मनिहारी के समीप रविवार की सुबह 9 बजे तेज रफ्तार कार ने ई रिक्शा को ठोकर मार दी, जिससे ई रिक्शा क्षतिग्रस्त होकर सड़क के किनारे पलट गया। वहीं कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। हादसे में चार लोग घायल हो गए, जिसमें से दो की हालत गंभीर है। उन्हें उपचार के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। सलेमपुर कोतवाली के सिसवा पांडेय निवासी अखिलेश (30) पुत्र रामाशंकर व रामपुर बुजुर्ग निवासी सत्य प्रकाश (20) पुत्र स्व रविन्द्र पाल ई रिक्शा से सलेमपुर जाने के लिए मनिहारी के समीप मुख्य मार्ग पर बने कट से मुड़ रहे थे। अचानक देवरिया की तरफ से जा रही तेज रफ्तार कार ने ठोकर मार दिया, जिससे ई रिक्शा क्षतिग्रस्त होकर किनारे पलट गया। ई रिक्शा सवार दोनों लोग घायल हो गए। साथ ही कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई और कार सवार दो लोग घायल हो गए। उपचार के लिए लोगों के सहयोग से सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर पहुंचाया गया, जहां से ई रिक्शा सवार दोनों लोगों की हालत गंभीर देख चिकित्सक ने मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। कोतवाल टीजे सिंह ने बताया कि हादसे में चार लोग घायल हैं। उनका उपचार कराया गया है। वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है।

नवनिर्मित सीताराम आश्रम के महंत बने मनमोहन दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में जहां श्रद्धालुओं की सेवा के लिए निरंतर होटल धर्मशालाएं बना रहे हैं वहीं सेवा के उद्देश्य से मंदिरों का निर्माण भी बड़ी तेजी से चल रहा है इसी क्रम में दीनबंधु हॉस्पिटल से आगे सोना देवी मार्ग पर आज रविवार को नवनिर्मित श्री सीताराम आश्रम में सर्वेश्वर भगवान श्री सीताराम जी महाराज की प्राण प्रतिष्ठा किया गया और साथ ही साथ श्री राम वल्लभा कुंज वेदांती मंदिर के अधिकारी राजकुमार दास महाराज के सानिध्य में अयोध्या के दर्जनों संतों महंतों ने मंदिर की देखभाल ठाकुर जी की सेवा उत्सव सवैया और अयोध्या में आने वाले भक्तों की सेवा के लिए मनमोहन दास महाराज को कंठी चद्दर तिलक देकर के श्री सीताराम का महंत नियुक्त किया। इस अवसर पर नवनियुक्त महंत मनमोहन दास महाराज ने बताया कि आश्रम की स्थापना का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म की जड़ को मजबूत करना है।

उन्होंने बताया कि हमारे पूर्वजों के लंबे संघर्ष के बाद अपने जन्म स्थान पर श्री राम लला विराजमान हुए मन में उत्कंठा थी

की अयोध्या में आने वाले राम भक्तों की सेवा की जाए सनातन धर्म का प्रचार प्रसार किया जाए जिससे इसकी जड़ और मजबूत हो इसी उद्देश्य के साथ मंदिर का निर्माण कराया गया आज अयोध्या के प्रतिष्ठित संतों के उपस्थिति में ठाकुर जी की प्राण प्रतिष्ठा हुई और संतों के आदेश से इस आश्रम की देखभाल के लिए मुझे नियुक्त किया गया मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं।बालाजी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रामदास महाराज ने बताया कि महंत मदनमोहन दास महाराज कर्मनिष्ठ, धर्मनिष्ठ संत हैं इन्होंने अपने कर्म के बदौलत मोक्षदायिनी सप्तपुरियों में प्रथम पुरी अयोध्या पुरी में सनातन धर्म प्रचार के लिए आश्रम का निर्माण कराया ठाकुर जी की प्राण प्रतिष्ठा हुई अब निरंतर अष्टयाम सेवा होगी उत्सव सवैया होंगे इसके लिए अयोध्या के संतों ने महाराज जी को नवनिर्मित श्री सीताराम आश्रम का महंत बनाया तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का कार्यक्रम हुआ वैदिक पूजा अर्चन के साथ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का कार्यक्रम संपन्न हुआ आश्रम में संत पधारे सभी का अत्यधिक सत्कार किया गया और सभी ने श्री महाराज जी को नवनिर्मित आश्रम का महंत नियुक्त किया। इस अवसर रावत रावत मंदिर के महंत राममिलन दास, वेदमंदिर के उत्तराधिकारी महंत कन्हैया दास, महंत रामकृष्ण दास रामायणी, महंत रामदास, मिथिला बिहारी दास, संतदास आदि संत–महंत और भक्तगण उपस्थित रहे।

इराक भेजने के नाम पर 13 लाख की ठगी

संवाददाता–कुशीनगर। राक भेजने के नाम पर बेरोजगारों को फर्जी वीजा और हवाई जहाज का टिकट देकर जालसाजों ने 13 लाख की ठगी कर ली। आरोपी ने गांव के युवकों और रिश्तेदारों को भी चूना लगाया है। कसया पुलिस ने चार जालसाजों पर केस दर्ज कर लिया है। इसमें दो आरोपी इराक में हैं। ठगी के शिकार हुए पडरौना के अलावा एक युवक गोरखपुर का है। कसया थाना क्षेत्र के बनकहा निवासी प्रमुनाथ कुशवाहा इराक में रहते हैं। इनके साथ नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के नेबुआ निवासी प्रकाश भी रहता है। प्रकाश अपने भाई पन्नेलाल चौहान को इराक बुलाने के लिए प्रमुनाथ कुशवाहा के काम करने वाले यूसंग प्लांट कॉरपोरेशन में काम दिलाने के लिए आश्वासन दिया।

पन्नेलाल और उनके दोस्त गोरखपुर के मंटू पांडेय, नवनीत मिश्रा, राजन चौहान, रामज्ञान गुप्ता, आदित्य महेशिया, पडरौना कोतवाली क्षेत्र के जरार गांव निवासी अनिल कुशवाहा, श्रीनिवासी रामू चौहान, संजय चौहान, कुंदन रावत, ब्रजभूषण समेत 13 लोगों ने करीब पांच माह पूर्व प्रमुनाथ के बैंक अकाउंट में 4.20 लाख रुपये और कुछ रकम सिवान का रहने वाले उसके दोस्त के खाते में भेज दिया।

इसके साथ ही घर पर नकदी भी दी। बेरोजगारों ने कुल 13 लाख रुपये दिए। 20 दिसंबर को इराक के लिए 13 युवकों को वीजा और मुंबई से इराक का हवाई जहाज का टिकट दिया। 28 दिसंबर को मुंबई से फ्लाइट थी। 25 को ट्रेन मुंबई जाने के लिए ट्रेन का टिकट युवकों ने करा लिया। युवक गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार रहे थे। इसी बीच युवक ने स्टेशन के बाहर एक ट्रेवल एजेंसी पर जाकर टिकट और वीजा चेक कराया तो मालूम हुआ कि हवाई जहाज का टिकट कैंसिल हो गया। जबकि, वीजा फर्जी है। युवक ने प्रमुनाथ कुशवाहा को फोन किया तो नंबर स्विच ऑफ था। एसपी के आदेश पर कसया पुलिस ने पन्नेलाल चौहान की तहरीर पर बकनहा गांव निवासी प्रमुनाथ कुशवाहा, अरविंद कुशवाहा, पुजारी कुशवाहा, सिवान जिले का रहने वाला संदीप भक्त पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

तिरुपति नाथ ओझा बने प्रबंधक संघ के जिलाध्यक्ष

संवाददाता–श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश वित्तविहीन विद्यालय प्रबन्धक संघ की बैठक रविवार को निर्मला पब्लिक स्कूल इकौना में हुई। बैठक में शामिल होने पहुंचे नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष महेश राव का पदाधिकारियों ने फूलमाला पहना कर स्वागत किया। बैठक में वित्तविहीन स्कूलों व शिक्षकों की समस्या पर चर्चा की गई। बैठक में सबसे पहले संगठन के संस्थापक जय प्रकाश मिश्र के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष का चुनाव कराया गया। जिसमें तिरुपति नाथ ओझा को फिर से तीन वर्षों के लिए जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष महेश राव ने कहा कि पूरे प्रदेश में ब्लाक स्तर पर संगठन को पूरी ऊर्जा से मजबूत किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती वित्तविहीन स्कूलों व शिक्षकों के लिए बेहद जरूरी है। वहीं प्रदेश संरक्षक पुनीत कुमार मिश्र ने कहा कि श्रावस्ती में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से यदि किसी भी प्रबन्धक को मान्यता यूडायस आरटीई आदि बिन्दुओं पर प्रताड़ित करने का प्रयास किया गया तो शासन स्तर तक व्यापक आंदोलन कर मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। इस दौरान प्रदेश संयोजक एसपी गुप्ता व प्रदेश उपाध्यक्ष जेएसपी मिश्र ने स्कूल संचालक की अन्य समस्याओं के निदान को लेकर एकजुट होकर संघर्ष करने की अपील की।

इस मौके पर धरणीधर विश्वकर्मा, केके द्विवेदी, ऋषिराम मिश्र, सूर्यमान शुक्ल, राजेश सिंह, रिपुजीत मौर्य, मोहन लाल रावत, बृजेश आर्या, छांगुर प्रसाद, वीरेंद्र धर द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

खसरा पीड़ितों के घर पहुंच बीडीओ ने जाना हाल

संवाददाता–श्रावस्ती। जमुनहा विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत फत्तेहपुर बनगई के मजरा बनगई गांव में खसरे के तीन मामले सामने आए हैं। इसमें गांव निवासी अशोक कुमार मौर्य का पुत्र नीतीश कुमार मौर्य, अभिषेक कुमार मौर्य व पुत्री प्रियांशु मौर्य खसरा से पीड़ित पाए गए।

इस पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में कैम्प लगाकर उपचार किया। साथ ही दवाएं बांटी। रविवार को जमुनहा खंड विकास अधिकारी अखंड प्रताप व पीएचसी जमुनहा के चिकित्सक डा. सुमन बाबू आपा ने पीड़ितों के घर पहुंच कर स्वास्थ्य की जानकारी ली। उनका कुशलक्षेम पूंछा और समस्या होने पर सूचना देने को कहा। परिवार के लोगों को साफ सफाई के लिए प्रेरित किया।

एसएसबी के साथ औषधि निरीक्षक ने की छापेमारी

संवाददाता–बहराइच। 59 वीं वाहिनी, एसएसबी नानपारा टीम के सहायक कमांडेंट पलाश लूथरा के नेतृत्व में टीम के साथ औषधि निरीक्षक विनय कृष्ण ने या–गौस मेडिकल स्टोर, लखनऊ गोल्ड फार्मेसी, लौकाही आरसी मेडिकल स्टोर, बलाईगांव में छापेमारी की गई औषधि निरीक्षक ने इन प्रतिष्ठानों से दवाओं के नमूने एकत्र किए गए। इन नमूनों को विश्लेषण के लिए क्षेत्रीय लोक विश्लेषक प्रयोगशाला, वाराणसी भेजा जाएगा। विश्लेषण के परिणामों के आधार पर, आवश्यकतानुसार आगे की कार्यवाही शुरु की जाएगी। पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, सभी निरीक्षण किए गए मेडिकल स्टोर से नो क्लेम सर्टिफिकेट प्राप्त किए गए।

विधायक ने किया बरियारपुर बिजली उपकेंद्र के ट्रांसफार्मर का किया लोकार्पण

संवाददाता–देवरिया। बरियारपुर में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र में 8 एमवीए से 10 एमवीए ट्रांसफार्मर का लोकार्पण विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने किया। विधायक ने कहा कि बरियारपुर उपकेन्द्र पर 8 एमवीए का ट्रांसफार्मर होने से गर्मी के समय क्षेत्र की जनता को काफी परेशानी झेलनी पड़ती थी।

इस 10 एमवीए के ट्रांसफार्मर लगने से अब क्षेत्र के सैकड़ों गांवों के लोगों को सहुलियत मिलेगी। यह ट्रांसफार्मर स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही बिजली आपूर्ति की समस्या को दूर करेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे। इस दौरान नगर पंचायत बरियारपुर के चेयरमैन प्रतिनिधि राजेश राजभर, भाजपा बरियारपुर मंडल के मंडल अध्यक्ष दिवाकर चन्द्र यादव, बबलू शाही, विजय पांडेय, रवि प्रताप मल्ल, बरियारपुर के सभी सभासदगण व स्थानीय अधिकारी, ग्रामीण और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सिपाही से मारपीट में डॉ. अनुज सरकारी पर मुकदमे का आदेश, डॉक्टर संग 24 कर्मी भी घेरे मे

संवाददाता–गोरखपुर। दवा कराने आई अनुसूचित जाति की महिला और उनके सिपाही पति के साथ मारपीट के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी–एसटी एक्ट दीपा राय ने शनिवार को डॉ. अनुज सरकारी और उनके 24 कर्मचारियों पर केस दर्ज करने का आदेश पुलिस को दिया है। सीओ कैंट ने बताया कि कोर्ट का आदेश मिल गया है। मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जाएगी। संतकबीरनगर जिले के कोतवाली खलीलाबाद थाना क्षेत्र के मंझरिया गंगा की रहने वाली अदिति की ओर से अधिवक्ता गिरिजेश मणि त्रिपाठी व ऋषिकेश पांडेय ने कोर्ट में बताया कि उनकी मुव्वकिल अनुसूचित जाति की हैं। पेट दर्द की शिकायत होने पर वह सिपाही पति पंकज कुमार के साथ 02 अक्तूबर 2024 को छात्रसंघ चौराहा स्थित गैस्ट्रो लीवर हॉस्पिटल में दिखाने गई थी। वहां ड़ॉ अनुज सरकारी ने अल्ट्रासाउंड जांच कराने को कहा। जांच कराने के बाद वह फिर 3 अक्तूबर को रिपोर्ट दिखाने गई। पंकज ने डाक्टर से अल्ट्रासाउंड की फीस अधिक होने को लेकर सवाल किया।

इससे नाराज होकर ड़ॉ अनुज ने अदिति और पंकज को जातिसूचक शब्द बोलते हुए अपमानित किया। विरोध करने पर ड़ॉक्टर और उनके स्टाफ ने दोनों को पीट दिया। यही नहीं अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर पुलिस बुलाकर दोनों को थाने में बंद करा दिया। बताया कि पुलिस वालों ने पति–पत्नी की गलती न होने पर उन्हें छोड़ दिया। 4 अक्तूबर को पंकज अपना आधार कार्ड और पत्नी की दवा पर्ची लेने ड़ॉ. अनुज सरकारी के हॉस्पिटल गए तब डाक्टर और उनके स्टाफ के लोगों ने फिर पंकज को पीटा और थाने पर लाकर केस दर्ज कराकर जेल भिजवा दिया। डॉ. अनुज सरकारी ने कहा कि यह न्यायिक प्रक्रिया है, न्यायालय में ही पूरी होगी। हमारे पास घटना से संबंधित साक्ष्य हैं, उसे समय आने पर प्रस्तुत किया जाएगा। योगेंद्र सिंह, सीओ कैंट ने कहा कि कोर्ट का आदेश मिल गया है। केस दर्ज कर जांच पड़ताल की जाएगी। पंकज पर केस दर्ज है। विवेचना पूरी होने वाली है। बहुत जल्द ही चार्जशीट फाइल कर दी जाएगी।

अनियंत्रित स्कार्पियो ने तीन महिलाओं को रौंदा, एक की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जनपद के धनघटा थाना क्षेत्र के मिश्रौलिया गांव के पास रामजानकी मार्ग पर रविवार की सुबह 5.30 बजे एक स्कॉर्पियो ने सास और दो बहुओं को रौंद दिया। इस दुर्घटना में सास की मौत हो गई जबकि दोनों बहुएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल महिलाओं की स्थिति नाजुक बनी है। जिला अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है।

रविवार की सुबह 5.30 बजे के करीब धनघटा की तरफ से सिकरीगंज की ओर जा रही तेज रफ्तार स्कोर्पियो अनियंत्रित हो गई । सड़क के किनारे शौच के लिए जा रही मिश्रोलिया गांव निवासी ऊषा पत्नी लालमोहर (50), मीनू पत्नी मुकेश (32), माधुरी पत्नी उमेश (22) को रौंद दिया। दुर्घटना के बाद गाड़ी सड़क के किनारे नाले से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई ।

स्कॉर्पियो खलीलाबाद बारात से गोरखपुर जनपद के गोला बाजार थाना क्षेत्र के कटया लौट रही थी । उसमें महिलाएं भी सवार थी,जिन्हें हल्की चोट आई हैं। घटना के बाद ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया । तेज आवाज सुन आस– पास के लोग मौके पर पहुंच गए । दुर्घटना में ऊषा देवी की मौके पर ही मौत हो गई ।

दोनों घायलों को स्थानीय लोगों ने सीएचसी हैंसर पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने स्थिति नाजुक देख उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन को कब्जे में ले लिया है । मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।

सीएम ने ब्राह्मण वोटरों को साधने के लिए चला दांव, पार्टी में चल रहे मनमुटाव को किया दूर

संवाददाता–अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद मिल्कीपुर में उपजे मनमुटाव को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दूर कर दिया है। सीएम योगी के निर्देश पर अब गोसाईगंज के पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू ब्राह्मण वोटरों को साधेंगे। जबकि टिकट न मिलने से विचलित पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा और रामू प्रियदर्शी में भी नई ऊर्जा का संचार कर दिया है।

मिल्कीपुर के लिए भाजपा के चुनाव अभियान की कमान शुरू से ही खुद मुख्यमंत्री योगी संभाल रहे हैं। पिछले दिनों भाजपा की ओर से जब प्रत्याशी के रूप में चंद्रभानु पासवान के नाम की घोषणा की गई तो यहां कई तरह की विपरीत परिस्थितियां उभर कर सामने आईं। टिकट के प्रबल दावेदारों में शामिल पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, रामू प्रियदर्शी और भाजपा के जिला महामंत्री राधेश्याम त्यागी ने नामांकन सभा व प्रत्याशी के नामांकन से दूरी बना ली।

इतना ही नहीं मिल्कीपुर में 75,000 की संख्या में ब्राह्मण वोटर होने के बावजूद जब पार्टी प्रत्याशी की नामांकन सभा के पोस्टर और बैनर विधानसभा क्षेत्र में लगे तो उसमें पूर्व विधायक खब्बू तिवारी की तस्वीर गायब थी। इसे लेकर विधानसभा क्षेत्र में ब्राह्मण समाज के बीच तीखी प्रतिक्रिया हुई। इन हालातों में प्रथम चरण में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने पहल करते हुए पूर्व विधायकों के साथ नाराज भाजपा के जिला महामंत्री से उनके घर पर जाकर मुलाकात की।

इसके बाद शनिवार को मुख्यमंत्री योगी ने बड़ी पहल करते हुए पूर्व विधायक खब्बू तिवारी के साथ गोरखनाथ बाबा और रामू प्रियदर्शी को अलग–अलग लखनऊ मुलाकात करने के लिए अपने आवास पर बुलाया। दिन में उनकी मुलाकात पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी से हुई। इस दौरान उनके साथ एससी एसटी आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने प्रियदर्शी से कहा कि सभी गिले शिकवे भूलकर उपचुनाव में जुटें और पार्टी को जीत दिलाएं। इसके बाद शाम को पहले खब्बू तिवारी से मुलाकात हुई। मुख्यमंत्री ने खब्बू को निर्देश दिए कि मिल्कीपुर उपचुनाव में अपनी भूमिका का बेहतर प्रदर्शन करें। इस दौरान कटेहरी उपचुनाव की भी चर्चा हुई। कटेहरी में खब्बू ने ब्राह्मण वोटरों को भाजपा के पक्ष में करने के लिए काफी मेहनत की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्राह्मणों के साथ सभी वर्ग के मतदाताओं को एकजुट करें और भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करें। पूर्व विधायक खब्बू ने गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र में मया, दिलासीगंज, महबूबगंज और उनियार बाजार में फोर लेन की चौड़ाई कम कराए जाने का भी आग्रह किया। साथ ही बाईपास निकालने का प्रयास करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में विचार करने का आश्वासन दिया। इसी कड़ी में पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा से मुलाकात के दौरान उन्हें भी उपचुनाव जिताने की जिम्मेदारी सौंपी। बाबा गोरखनाथ ने सीएम योगी को आश्वस्त किया कि वह पूरे मनोयोग से चुनाव अभियान में अपने समर्थकों के साथ जुटेंगे।

खेल से शारीरिक व मानसिक विकास को मिलती है गति –चंद्रपाल

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार ब्लॉक के ग्राम सभा अकोलही में आयोजित जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रनेता 'एडवोकेट' चंद्रपाल सिंह यादव रहें। चंद्रपाल ने प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि, राप्ती नदी और गोर्रा के तटीय ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के खेलों का आयोजन युवाओं में शारीरिक व मानसिक विकास के साथ–साथ सामाजिक समरसता को भी मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हमारे ग्रामीणांचल के युवाओं में वो सभी सकारात्मक ऊर्जा, क्षमता और पराक्रम है जो एक सफल खिलाड़ी में चाहिए, बस जरूरत है इस समुद्र से मोती तराशने की। साथ ही इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा युवाओं को जरूरी संसाधन और अवसर देने के लिए प्रयास करना चाहिए, जिससे राप्ती नदी और गोर्रा तट पर बसे गांवों डांगीपार से लेकर सोनवे, सेमरामानिक चक, कुई बाजार और गौर, अकोलही, पोछिया तक के खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल सके। इस अवसर पर अर्पित कसौधन, सुजीत यादव, धीरज चौधरी, घनश्याम निषाद, अभिषेक, इब्राहिम खां, आमिर अंसारी, अमन साहनी आदि मौजूद रहें।

इसी तरह बदलता रहा मौसम तो घट जाएगी गेहूं की उपज

संवाददाता–संतकबीरनगर। मौसम का मिजाज गेहूं की खेती के लिए अनुकूल नहीं दिख रहा है। सुबह से ही निकली चटख धूप ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। यही हाल रहा तो जल्द समय से पहले गेहूं की बालियां निकल आएंगी और उपज 35 से 40 प्रतिशत तक कम हो जाएगी। हालांकि इस प्रकार का मौसम दलहन और तिलहन के लिए बेहतर माना जा रहा है। ठंडक के मौमस में गेहूं की बेहतर उपज होती है। बालियां निकलने तक ठंडक पड़ रही है तो गेहूं के दानों की सेटिंग बेहतर होती है और दाना भी मजबूत होता है। समय से पहले हीटवेव आ गया तो जल्द ही बालियां निकल आती हैं। बालियों की साइज छोटी होने के साथ– साथ दाने भी कमजोर हो जाते हैं। इस वर्ष का मौसम गेहूं की खेती के लिए बिल्कुल अनुकूल नहीं रहा। सितम्बर माह की बरसात ने रबी फसल की बुआई को पीछे कर दिया। 15 नवम्बर तक गेहूं के फसल की जो बुआई हो जाती थी वह बुआई 15 दिसम्बर के बाद शुरू हुई। एक तो देर से गेहूं की बुआई शुरू हुई और दूसरे जिस प्रकार की ठंडक की उम्मीद किसान कर रहे थे वह अभी तक नहीं शुरू हुई। 15 फरवरी के बाद ठंडक पूरी तरह से समाप्त मानी जाती है। जनवरी माह का प्रथम पखवारा बीत चुका है। दूसरा पखवारा चल रहा है, लेकिन ठंडक अभी तक नहीं पड़ी है।

पूरे सत्र के दौरान अब तक मात्र तीन दिन ही कोहरा पड़ा है। कोहरा नहीं पड़ने और दिन में चटख धूप निकलने की वजह से गेहूं की फसल चौपट होने की आशंका है। हालांकि दूसरे फसलों के लिए यह मौसम पूरी तरह से लाभकारी माना जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि कोहरा भले ही नहीं पड़ा है, लेकिन ठंडक पड़ रही है। इस प्रकार भी मौसम बना रहा तो गेहूं की उपज ठीक होगी। यदि गर्मी बढ़ती गई तो हीटवेव जैसे ही शुरू होगा, वैसे ही गेहूं की फसल में मारा चला जाएगा। उन्होंने बताया कि तापमान में इजाफा होते ही गेहूं की बालियां निकल आती हैं, उपज 35 से 40 प्रतिशत तक प्रभावित हो सकती है। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी के बाद का तापमान निर्भर करेगा कि उपज कैसी होगी। किसान जोखन चौधरी ने कहा, गेहूं फसल के अनुकूल मौसम बिल्कुल नहीं है। बारिश नहीं होने पर फरवरी माह में गेहूं की सिंचाई करनी पड़ती थी। इस वर्ष 15 दिसम्बर में गेहूं बोया गया और जनवरी में दूसरी सिंचाई की नौबत आ गया गई है। इसी प्रकार का मौसम बना रहा तो जनवरी माह में ही गेहूं की दूसरी सिंचाई करनी पड़ेगी। किसान परमात्मा यादव ने कहा कि इस प्रकार का मौसम कभी देखा नहीं गया था। पूरे सत्र में सात से आठ ही दिन ठंडक पड़ी है। कोहरा तो पड़ा ही नहीं। यदि इसी प्रकार का मौसम बना रहा तो गेहूं की उपज आधी रह जाएगी। इस क्षेत्र में ज्यादातर गेहूं की खेती की जाती है।

भाजपा नेता का लापता बेटा रेलवे स्टेशन पर मिला

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर इलाके से लापता भाजपा नेता का 13 वर्षीय बेटा रविवार की सुबह रेलवे स्टेशन पर मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे अपने साथ ले आई और परिवार को सौंप दिया। वह घर से क्यों भागा था अभी कुछ बता नहीं रहा है। किशोर की लोकेशन गोलघर के आस–पास मिली थी जिसके बाद शनिवार को दिन भर पुलिस सीसीटीवी कैमरे की मदद से किशोरी की तलाश करती रही। पहले कौवाबाग चौकी के पास साइकिल से जाते हुए किशोर दिखा है। कैमरे खंगलाते पुलिस आगे बढ़ी तो गोलघर इलाके में वह एक जगह दिखा था। उसके बाद से ही उसके शहर में ही कहीं होने का अंदाजा लगाया जा रहा था। बशारतपुर निवासी भाजपा मंडल अध्यक्ष ने शुक्रवार को तहरीर देकर बताया है कि शुक्रवार शाम सवा चार बजे बेटा साइकिल से निकला था। फिलहाल बेटे के मिल जाने से परिवार की खुशियां लौट आई है।

साप्ताहिक बंदी का मिला जुला असर, अधखुले शटर से हुई बिक्री

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज में जिला प्रशासन की ओर से साप्ताहिक बंदी के आदेश का मिला जुला असर दिखाई दिया। अधिकांश दुकानें बंद रहीं, लेकिन कुछ दुकानदार आधा शटर को खोलकर चुपके से बिक्री करते हुए दिखाई दिए। जिससे पूरी तरह दुकान बंद करने वाले व्यापारियों ने नगर प्रशासन के प्रति लापरवाही की नाराजगी जताई है। साप्ताहिक बंदी आदेश के दूसरे रविवार को जिन जरूरी दुकानों को खोलकर बिक्री करने का निर्देश दिया गया था, उसके अलावा कुछ ऐसी भी दुकानों में गारमेंट, बुक सेंटर,शू सेंटर आदि का आधा शटर खुला मिला। उससे चुपके से सामानों की बिक्री होती दिखाई दी। जिनको खोलने का अनुमति नहीं है। साप्ताहिक बंदी डुमरियागंज मंदिर चौराहा के शापिंग कांप्लेक्स,इटवा रोड व कस्बा की पुरानी बाजार,खीरा मंडी, बैदौला चौराहा, शाहपुर चौराहे पर रही है। मंजर अब्बास, रवींद्र गुप्त, प्रमोद कुमार, सचिन आदि ने कहा कि सप्ताह में एक दिन दुकान बंद होने से घर पर रहकर जरूरी कार्य संपन्न होने के अलावा परिवार में समय बिताने में अच्छा लगता है। बाजार बंदी व आफिस सहित अन्य सरकारी दफ्तरों की छुट्टी से सड़कों पर आवागमन करने वालों की भीड़ कम रही है। होटल, किराना, मेडिकल स्टोर्स पर लोग अपने जरूरत के आधार पर खरीदारी करते हुए दिखाई दिए। वहीं कुछ दुकानों के आधे खुले शटर से बिक्री चुपके से की जा रही थी उसको लेकर अन्य दुकानों के व्यापारियों ने नाम न छापने की शर्त पर नाराजगी जताई है। ईओ महेश प्रताप श्रीवास्तव ने कहा कि जांच में जो दुकाने खुली मिलेंगी उसके मालिक से जुर्माना वसूला जाएगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 2738/2023
धारा 30 (1) उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सनारूल्लाह
बनाम
छेदीलाल उर्फ शहजाद आदि
बावत मौजा जगन्नाथपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
1. छेदीलाल उर्फ शहजाद हुसैन पुत्र फिक्किर 2. घिराऊ पुत्र सुनील निवासीगण ग्राम जगन्नाथपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. सुखदेव 4. रामलखन 5. लल्लन 6. रतिदेव पुत्रगण रामकृपाल 7. आशीष कुमार 8. अनीस कुमार पुत्रगण दीनानाथ 9. उर्मिला देवी पत्नी अशोक कुमार निवासीगण मौजा शंकरपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 10. सरकार उ0प्र0 जरिये कलक्टर बस्ती

तारीख पेशी 24–01–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 24 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

युवाओं में कम हो रहा हड्डियों का घनत्व, मामूली आघात पड़ रहा भारी

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्वांचल के युवाओं की हड्डियों का घनत्व कम हो रहा है। इसकी वजह से उनकी हड्डियां मामूली आघात, गिरने या फिसलने से (ऑस्टियोपोरोसिस) टूट रही है। हड्डियों के घनत्व कम होने की प्रारंभिक स्थिति को डॉक्टर ऑस्टियोपेनिया कहते हैं। एम्स के हड्डी रोग विभाग में इस बीमारी से पीड़ित 10 से 15 मरीज प्रतिदिन इलाज के लिए आ रहे हैं। एम्स के डॉक्टर युवाओं और महिलाओं को डेक्सा जांच की सलाह दे रहे हैं। एम्स के हड्डी रोग विशेषज्ञ व एसोसिएट प्रो. डॉ. श्याम सुधीर कुशवाहा ने बताया कि धूप हड्डियों के घनत्व कम होने के पीछे एक ही कारण है शरीर में कैल्शियम और विटामिन–डी की कमी। इसे लेकर युवा और महिलाएं दोनों सजग नहीं है। यही वजह है कि ऐसे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

डॉ. श्याम सुधीर कुशवाहा ने युवाओं में यह बीमारी अच्छे संकेत नहीं है। बताया कि ऐसे मरीजों की जांच में टेस्टोस्टेरोन हार्मोन की कमी मिली है। इनकी उम्र 25 से 35 के बीच की है। जबकि, इस उम्र में यह हार्मोन कम होना उनके भविष्य के लिए ठीक नहीं है। बताया कि महिलाओं में 42 से लेकर 50 साल तक के उम्र के बीच मेनोपॉज (रजोनिवृत्ति) के की प्रक्रिया होती है। मेनोपॉज की प्रक्रिया के दौरान महिलाओं में इस्ट्रोजन हार्मोन कम हो जाता है, जिसकी वजह से हड्डियों पर बुरा प्रभाव पड़ता है और हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। इसकी वजह से मेनोपॉज के बाद महिलाओं में फ्रैक्चर की आशंका बढ़ रही है। ऐसे मामले हर दिन चार से पांच आ रहे हैं। कई मामलों में दवाओं के साथ हार्मोनल रिप्लेसमेंट थेरेपी भी दी जाती है।

बताया कि डेक्सा जांच की स्कोरिंग के अनुसार ऑस्टियोपोरोसिस तय की जाती है। ऐसे में मरीजों को सलाह दी जाती है कि वह बार डेक्सा जांच जरूर कराएं। अगर केस खराब है तो एक्सरे से ही पकड़ में आ जाता है। लेकिन, शुरुआती लक्षण है तो स्कोरिंग के आधार पर ही इलाज होता है। बताया कि आमतौर पर टी स्कोर माइनस 2.5 से कम है तो ऑस्टियोपोरोसिस माना जाता है। इसमें दो एक्स–रे बीम्स से हड्डियों की मोटाई नापी जाती है।

एम्स के मीडिया प्रभारी डॉ. अरुप मोहंती ने बताया कि एम्स में डेक्सा जांच की सुविधा एम्स में जल्द ही शुरू होगी। हड्डी रोग विभाग ने डेक्सा जांच के लिए मशीन के ऑर्डर दे चुका है। एम्स में बेहद कम दामों में यह जांच की सुविधा मरीजों को मिलेगी। निजी केंद्रों में यह जांच काफी महंगी होती है।

श्री विष्णु महायज्ञ के लिये निकली कलश यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । पाण्डव युगीन श्री बाबा झुंगीनाथ धाम में 7 दिवसीय सरस संगीतमयी श्री विष्णु महायज्ञ एवं श्रीमदभागवत कथा के लिये रविवार को कलश यात्रा निकाली गई। सरयू का पवित्र जल लेकर श्रद्धालु कथा स्थल पर पहुंचे और विधि विधान से उनकी स्थापना की गई।

यह जानकारी देते हुये आयोजक पं. ध्रुव चन्द्र पाठक ने बताया कि श्री हनुमान जी और मां ज्वाला माता के मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में कथा व्यास देवर्षि त्रिपाठी और सन्तोष शुक्ल जी महाराज, प्रीती पाण्डेय, कथा श्रवण करायेंगे। कलश यात्रा में गुरु प्रसाद गुप्ता, आकाश त्रिपाठी , आदित्य त्रिपाठी, उमेश दुबे , शुभम पाठक , शैलेश पाण्डे , बब्बू तिवारी , विकास पाण्डे, महेन्द्र शुक्ला , ओम प्रकाश पाठक, शीतला गोस्वामी, देवी प्रसाद गोस्वामी, कान्ती गौतम, कलावती गौड़, मनीषा यादव, सोनम मौर्य के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक महिलायें शामिल रहीं।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–जे0एम0/एफ0टी0सी0 (महिलाओ के विरूद्ध अपराध) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण प्रार्थना पत्र सं0 130/2024
शिल्पी उपाध्याय
बनाम
वेद प्रकाश आदि
1. वेद प्रकाश उम्र 26 साल पुत्र व्यासमुनि उपाध्याय 2. व्यासमुनि पुत्र 3. विद्यावती पत्नी व्यासमुनि 4. रूकमणि पुत्री व्यासमुनि 5. प्रेम प्रकाश पुत्र व्यासमुनि साकिन नेदुला थाना परसरामपुर जिला–बस्ती 6. रामू साकिन इटवा थाना परसरामपुर जिला–बस्ती
–अभियुक्तगण

तारीख पेशी 03–02–2025

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 03 मास 02 सन् 2025 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

पैर फिसलने से नहर में डूबी मासूम बच्ची, लापता

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव के पास से गुजरी सरयू नहर में शनिवार की शाम हाथ धोने के दौरान एक 10 वर्षीय बच्ची फिसल कर डूब गई। रविवार की शाम तक उसका पता नहीं चल सका है। बसंतपुर गांव निवासी कलाम की 10 वर्षीय पुत्री ईरम फातिमा शनिवार को गांव के अन्य बच्चों के साथ नहर के पास बकरी चरा रही थी। शाम को वह नहर में हाथ धोने गई। इस दौरान पैर फिसलने से वह नहर में गिर कर डूब गई। आसपास मौजूद बच्चों के शोर मचाने पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उसे ढूंढने का प्रयास किया पर अब तक उसका पता नहीं चल सका। रविवार को भी सुबह से तहसीलदार और थानाध्यक्ष शोहरतगढ़, हल्का लेखपाल व स्थानीय गोताखोरों की मदद से उसे खोजने के प्रयास में लगे हुए हैं पर अब तक पता नहीं चल सका। मौके पर एसडीएम राहुल सिंह भी मौजूद रहे।

जिस वार्ड में रहते हैं जिले के अधिकारी वहां भी समस्याओं का अम्बार

संवाददाता–संतकबीरनगर। नगर पालिका खलीलाबाद के प्रमुख वीआईपी मोहल्लो में शामिल बड़गों वार्ड भी बदहाली का दंश झेल रहा है। मोहल्ला गांव से शहर बन गया, यहां सिविल लाइन एरिया भी विकसित हो गया। कलेक्ट्रेट, विकास भवन, पुलिस ऑफिस, जनपद न्यायालय , जिला अस्पताल के साथ ही डीएम, एडीएम सहित सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों का आवास इसी वार्ड में है। लेकिन उसके बाद भी विकास से अछूता है। अधिकारियों के आवास और कार्यालय क्षेत्र को छोड़ दिया जाए तो अन्य जगह गांव से भी बद्तर स्थिति है। जनपद का प्रमुख सेंटर वार्ड नंबर छह बड़गो है। इस वार्ड में छह हजार से अधिक की आबादी निवास करती है। पहले यह गांव हुआ करता था। लेकिन नपा के विस्तार में इसे नगरपालिका में शामिल कर लिया गया। नपा में शामिल होने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि यहां का अब तेजी से विकास होगा। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। विकास की एक भी किरण यहां तक नहीं पहुंच पाई है । यह नई तहसील भवन से लेकर कलेक्ट्रेट, विकास भवन से नगवा गांव के सीवान व जिलाधिकारी आवास की बाउंड्री से लेकर ओनिया गांव के तालाब तक वार्ड फैला हुआ है। । इस मोहल्ले में सभी जाति और वर्ग के लोग रहते हैं। तमाम नए मकान भी बन रहे हैं। बिना मानक के तैयार कॉलोनियों में रास्ते तक की सुविधा ठीक ढंग से नहीं है। वार्ड के जिला अस्पताल के बाहर नाले की दशा इतनी खराब है कि उसे देख लगता है जैसे कभी सफाई ही नहीं होती है।

बारिश के दिनों में तो हालत यह हो जाती है कि महिलाओं व बच्चों को घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है। सड़को पर नाली के गंदे पानी जमा रहते हैं। इसी से होकर लोगों को गुजरना पड़ता है, न तो नाली बनी है नही ही सड़क। सब लोग उखड़ी गिट्टी और कच्चे रास्ते से होकर गुजरते हैं। हर दिन वाहन चालक यहां पर गिरते रहते हैं। पैदल भी लोग किसी तरह से चलते हैं। वार्ड में चार पोखरे हैं। लेकिन नाली का पानी इसमें जा सके इसके लिए कोई व्यवस्था तक नहीं है। कुछ लोग तो मजबूरी में गांव में घर रहने के बावजूद खेत में मकान बनवा रहे हैं। शहर में होने के बावजूद ग्रामीण फीडर की बिजली लोगों को मिल रही है और शिड्यूल भी ग्रामीण ही है। सड़क के बगल में पोखरा है। यह भी गंदगी से पटा हुआ है। कुछ पोखरों में तो जलकुंभी है। पोखरे की सफाई नहीं होने की वजह से उससे दुर्गंध उठ रही है। इसके प्रदूषण से भूमिगत जल भी प्रभावित हो रहा है। यहां की समस्या से लोग परेशान हैं। बड़गों मोहल्ला व उसके बाहर विद्युत आपूर्ति के लिए ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। ट्रांसफार्मर पूरी तरह से खुले में है। मोहल्ले के बच्चे यहां पर खेलते हैं। सुरक्षा के लिए बाड़ न होने से कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है। वार्डवासियों की तरफ्फ से विद्युत विभाग को कई बार पत्र लिखा जा चुका है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। गर्मी के दिनों में इससे होने वाली शार्ट सर्किट से फसलों को भी क्षति पहुंचने की आशंका हमेशा बनी रहती है। मोहल्ले में बनाई गई सड़क के किनारे नालियां तक नहीं बनाई गई हैं। नालियां न बनने से यहां पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है।

शाकिर नूर ने विक्की को किया चित

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जोगिया क्षेत्र के करौंदा मसीना में आयोजित दंगल में मेरठ के शाकिर नूर ने पंजाब के विक्की पहलवान को चित कर दिया। वहीं दूसरा मुकाबला उत्तराखंड के मोहम्मद परवेज और नेपाल के लक्की थापा के मुकाबला हुआ। इसमें लक्की थापा ने परवेज को आसमान दिखा दिया। मुन्ना टाइगर पंजाब और सोनू चंडीगढ़ में सोनू विजई रहे। रिजवान जम्मू और हरिकृष्ण संतकबीरनगर के बीच जोरदार मुकाबला हुआ और दोनों की कुश्ती बराबरी पर छूटा।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com